SUPREME SUPERSPECIALITY HOSPITAL | SUPREME HEART CARE
आयुष्मान भारत (PMJAY)
महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (MJPJAY)
और
मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि (CMRF)
की सुविधा अब सुप्रीम हॉस्पिटल गोंदिया में उपलब्ध
Vivekanand Colony, Hadditoli Gondia (Maharashtra) 441601
www.supremehospital.org
0718223221, 7378738884
7507716433, 8624920084

बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 29 मई 2026 | दिन - शुक्रवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 121 | मूल्य - 5 रुपये

7 Years
SAHAYOG HOSPITAL
निःशुल्क एंजियोग्राफी शिविर
6 मार्च – 30 जून 2026
आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) एवं MJPJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध
91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

JAIN RESORT
जैन रिसॉर्ट्स
शांत, सुरम्य नवेगांव नागझिरा फॉरेस्ट के पास स्थित
Relaxation at its Peak
उपलब्ध सेवाएं..
शादी, रिसेप्शन, व अन्य छोटी बड़ी पार्टीयां सभी सुविधाओं के साथ..
लॉन व रिसॉर्ट 2 लाख फीट में..
सभी 80 रूम, 2 बेंक्वेट हॉल एसी
घराती बाराती 300 एवं मेहमानों की व्यवस्था..
स्वीमिंग पुल, भव्य गार्डन..
लिफ्ट सुविधा, 24 x 7 विद्युत सुविधा..
अन्य सभी सुविधाएं आवश्यतानुसार..कैटरींग, सजावट, फूल सजावट, स्टेज की व्यवस्था..
पता - गराड़ा, मुंडीपार, तहसील - गोरेगांव, जिला गोंदिया 441801 (महाराष्ट्र)
N-H- 753 गोंदिया से 17 किलोमीटर दूर..
संपर्क करें..
नमन जैन 9049223444
ऑफिस 9270175557

म्यांमा के राष्ट्रपति 30 मई से पांच दिन की भारत यात्रा पर रहेंगे..

नई दिल्ली, (भाषा)।

म्यांमा के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शनिवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान व्यापार और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दिसंबर से जनवरी तक पड़ोसी देश में हुए संसदीय चुनाव के बाद म्यांमा से भारत की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। म्यांमा के राष्ट्रपति को एक जून को 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आना था। शिखर सम्मेलन स्थगित होने के कारण उनकी यात्रा पुनः निर्धारित की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनके साथ कई कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इसने कहा कि राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग एक जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दोनों देशों के बीच 'ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत'' संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा, ''इस यात्रा के तहत राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई को बोधगया और 2 जून को मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वह व्यापार और उद्योग जगत से बातचीत करेंगे तथा विभिन्न स्थलों का दौरा करेंगे।'' इसने कहा, ''राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत की आधिकारिक यात्रा से दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को और अधिक मजबूती एवं गहराई मिलने की उम्मीद है।''

60 दिनों के लिए संघर्ष विराम बढ़ाने पर बनी अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच सहमति

नई दिल्ली।

अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच 60 दिनों के लिए संघर्षविराम बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने के लिए मोटे तौर पर सहमति बन गई है। यह जानकारी मामले से परिचित एक अमेरिकी अधिकारी ने दी है। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त

पर बताया कि अभी इस सहमति ज्ञापन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अंतिम मंजूरी बाकी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच मोटे तौर पर यह सहमति ऐसे वक्त बनी है, जब अमेरिका और ईरान के बीच नाजुक संघर्षविराम डगमगाता हुआ दिखाई दे रहा है। इसकी रिपोर्ट सबसे पहले समाचार आउटलेट 'एक्सियोस' ने प्रकाशित की।

ईरान ने कुवैत पर दागीं मिसाइलें, बोला अमेरिका..

वहीं, दूसरी ओर अमेरिकी सेना ने कहा कि कुवैत ने बुधवार देर रात ईरान द्वारा दागी गई मिसाइलों को मार गिराया और फारस की खाड़ी में अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों में से एक पर ईरानी हमले को 'युद्धविराम का घोर उल्लंघन' बताया। कुवैत पर हमला, अमेरिका और ईरान के बीच पिछले महीने हुए नाजुक युद्धविराम को जोखिम में डालने वाला नवीनतम घटनाक्रम है। कुवैत ने इससे पहले बताया था कि उसके क्षेत्र पर हमला हुआ है।

ईरान बोला जवाबी कार्रवाई

वहीं, ईरान ने कहा कि उसने खाड़ी देश में स्थित एक अमेरिकी अड्डे पर सप्ताह की शुरुआत में हुए हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की है। हालांकि, उसने उस देश का नाम नहीं बताया। ईरान ने यह हमला, सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका द्वारा यह कहे जाने के बाद किया कि उसने तेहरान के मिसाइल प्रक्षेपण स्थलों, बारूदी सुरंग बिछाने वाली नौकाओं और हमलावर ड्रोनों पर हमला किया है। अमेरिका का इस बारे कहना था कि वे बंद होर्मुज स्ट्रेट के पास खतरा पैदा कर रहे थे।

नीट पेपर लीक के आरोपी पीवी कुलकर्णी के

काले पैसे से बनाई आलीशान इमारत को अब बुलडोजर से ढहाने की तैयारी..

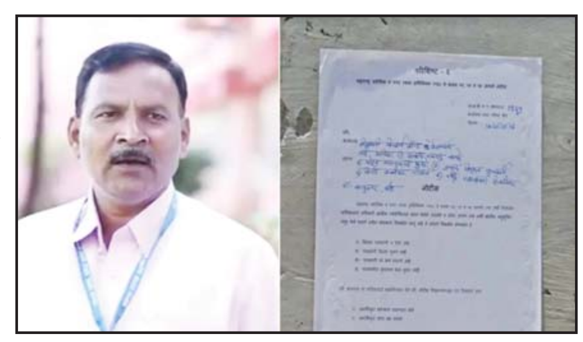

बीड।

नीट 2026 पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड पी.वी. कुलकर्णी की बीड शहर में बिना अनुमति बनाई जा रही आलीशान इमारत पर कभी भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा सकती है। बीड नगरपालिका ने इस निर्माण पर नोटिस चस्पा की थी, जिसकी तीन दिन की अवधि अब

समाप्त हो चुकी है। नगरपालिका के मुख्याधिकारी शैलेश खडसे ने कल इस अवैध निर्माण का निरीक्षण भी किया। साथ ही ओपन स्पेस पर अतिक्रमण किए जाने का भी नगरपालिका को संदेह है। नोटिस अवधि खत्म होने के बाद अब किसी भी समय इस निर्माण पर कार्रवाई की जा सकती है। नीट पेपर लीक मामले से कमाए गए पैसों से पी.वी. कुलकर्णी ने नगरपालिका की किसी भी प्रकार की अनुमति लिए बिना यह आलीशान इमारत बनाना शुरू किया था। नगरपालिका को यह भी संदेह है कि निर्माण के दौरान सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण किया गया है। साथ ही सड़क किनारे आवश्यक जगह नहीं छोड़ी गई है, जिसके चलते इस निर्माण पर कार्रवाई की जाएगी, ऐसा मुख्याधिकारी ने फोन पर जानकारी देते हुए कहा। बता दें कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड केमिस्ट्री का रिटायर्ड लेक्चरर पीवी कुलकर्णी है। सीबीआई ने प्रोफेसर को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया। पीवी कुलकर्णी, महाराष्ट्र के लातूर का रहने वाला है, वो एनटीए की तरफसे नीट एग्जाम के प्रॉसेस का हिस्सा था। उसने कोचिंग के छात्रों को पेपर लीक कर सवाल-जवाब रटवाए थे। जानकारी के मुताबिक, केवल नीट 2026 लीक ही नहीं; गिरफ्तारी से पहले पीवी कुलकर्णी की तरफसे सेट किए गए हर एक पेपर के बारे में सीबीआई ने पूछताछ की है। 2024 पेपर लीक और अन्य मामलों में भी उसकी संलिप्तता हो सकती है।

स्टूडेंट्स को ऐसे करते थे अप्रोच

नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे ने पुणे और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में संगठित तौर पर स्टूडेंट को अप्रोच किया। संगठित गिरोह में स्टूडेंट्स की मजबूरी के आधार पर उनका इस्तेमाल किया। एक चेन की तरह कुछ जगहों पर सेमिनार का भी आयोजन किया गया था। ज्यादातर उम्र में बड़े और अलग स्ट्रीम के बच्चों को बतौर एजेंट के तौर पर रखा गया था। सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर स्टूडेंट इंजीनियरिंग स्ट्रीम के थे।

आलाकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया: बोले सिद्धरमैया

बेंगलुरु, (भाषा)।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ सत्ता संघर्ष पूर्ण विराम लगाते हुए तथा नेतृत्व परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हुए कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को इस पद से इस्तीफा दे दिया।

दो दिन पहले ही पार्टी आलाकमान ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने का निर्देश दिया था। सिद्धरमैया ने यहां लोक भवन में राज्यपाल के विशेष सचिव को अपना इस्तीफा सौंपने के तुरंत बाद प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता में उपमुख्यमंत्री और संभावित उत्तराधिकारी शिवकुमार एवं अन्य मंत्रिमंडल सहयोगी भी मौजूद थे। उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत की अनुपस्थिति में उनके विशेष सचिव प्रभु शंकर को इस्तीफा सौंपा। सिद्धरमैया ने कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मुझे विश्वास है कि राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैंने बार-बार कहा था कि जब भी पार्टी आलाकमान मुझे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। आलाकमान ने मुझे दो दिन पहले पद छोड़ने का निर्देश दिया था, जिसके अनुसार मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया।'' उन्होंने कहा, ''मुझे दो बार कर्नाटक के लोगों की सेवा करने का मौका मिला जिसके लिए मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे को धन्यवाद देता हूं।''उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें राज्यसभा का टिकट देने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने विनम्रता से इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह अपने विधानसभाक्षेत्र के प्रतिनिधि के तौर पर कम से कम बाकी दो साल के लिए कर्नाटक में सक्रिय राजनीति में रहना चाहेंगे। सिद्धरमैया ने कहा, ÷ आलाकमान ने मुझे राज्यसभा जाने के लिए कहा था। मैंने विनम्रतापूर्वक इसे अस्वीकार कर दिया।

त्विषा शर्मा मौत मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह गिरफ्तार..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने त्विषा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी उनकी सास एवं पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने बुधवार को गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक टीम ने गिरिबाला को हिरासत में लेने से पहले भोपाल के बाग मुग़लिया एक्सटेंशन क्षेत्र स्थित उनके आवास पर उनसे पूछताछ की। त्विषा का अधिवक्ता पति समर्थ सिंह पहले से ही केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई दोनों आरोपियों के बयानों के संबंध में आमना-सामना कराकर उनसे हिरासत में पूछताछ करने की योजना बना रही है, ताकि 12 मई को 33 वर्षीय त्विषा की मौत से संबंधित परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी गिरिबाला को सक्षम अदालत के समक्ष पेश कर उनकी हिरासत की मांग करेगी। मामले में एक सत्र अदालत ने 15 मई को पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला को अग्रिम जमानत दे दी थी। उन पर और उनके बेटे समर्थ पर दहेज उत्पीड़न से संबंधित आरोप हैं। हालांकि, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने बुधवार को अग्रिम जमानत रद्द कर दी।

न्यायमूर्ति देव नारायण मिश्रा ने 17 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि मामले के तथ्यात्मक पहलुओं और प्रतिवादी (गिरिबाला सिंह) के खिलाफ लगाए गए आरोपों के आलोक में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा दी गई अग्रिम जमानत रद्द किए जाने योग्य है।

सीबीआई ने सोमवार को औपचारिक रूप से त्विषा की मौत की जांच अपने हाथ में ले ली थी। त्विषा अपने ससुराल में 12 मई को कथित तौर पर फंदे से लटकी मिली थीं। सीबीआई ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी को पुनः दर्ज किया है जिसमें समर्थ और गिरिबाला को आरोपी बनाया गया है।

जहां सोने, चांदी, हीरे जड़ित आभूषणों की हर कृति में मिलता है..
समय का स्पर्श और हर आभा में वंश की गरिमा..
शांति ज्वेलर्स..
नया सराफा, मेन रोड, बालाघाट
परंपरा और भरोसे के 38 साल

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY | X-RAY | CT SCAN | MRI CENTER
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
Color Doppler, Power Doppler Imaging, B-flow Imaging, Tissue Harmonic Imaging, Transrectic & TV Sonography, Pediatric Sonography, Orbital Sonography, Breast, Thyroid, Scrotal Sonography, Neonatologist Neurosonogram, 2 D Echo Cardiography, Foetal Echo, Whole Body Ct Scan, Digital X-ray Digital Radiography System, M.R.I.
DIGITAL X-RAY
2D, 3D/4D High Resolution Sonography, 2D Echo, Colour Doppler, Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan, M.R.I.
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कॅन व एम.आर.आई. क्लिनिक
तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com

आयुर्वेद, पंचकर्म
स्पाईन एंड जॉईन्ट केअर सेंटर
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म व पौचभौतीक विशेषज्ञ
7620340356
आँर्थो केअर - पिठदर्द, कमरदर्द, घुटनों में दर्द, गर्दन दर्द, रिढ की हड्डी में गॅप आना, हाथ पांव में झुनझुनी आना आदि रोगों का आयुर्वेद द्वारा सफल ईलाज।
SPINE & JOINT CARE BY ADVANCE AYURVED PANCHAKARMA
Cervical Spondylysis, Slip Disc, Spinal Cord Stenosis, Lumber Spondylysis, Knee Joint Care
आयुर्वेद द्वारा सौंदर्य चिकित्सा
असमय बालों का झड़ना व सफेद होना
चेहरे के काले दाग व पिंपल्स
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
साकेत पब्लिक स्कुल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

दरीयां, मेटीग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्हर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

भाजपा संगठनात्मक बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने दिया संगठन विस्तार और जनसंपर्क का मंत्र

जगप्रेरणा सिवनी।

भारतीय जनता पार्टी समाज के लिए कार्य करने वाला राजनीतिक दल है। संगठनात्मक कार्यक्रमों के साथ-साथ समाज के बीच चल रही गतिविधियों में भी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

सामाजिक संगठनों के प्रमुख व्यक्तियों से आत्मीय संबंध बनाए रखने और विपक्षी दलों की गतिविधियों पर सतत नजर रखने की जरूरत है। यह बात भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में कही।

भाजपा जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन ने की। इस अवसर पर संगठन के जिला प्रभारी एवं अशोक रोहाणी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री तथा विभिन्न अपेक्षित श्रेणियों के पदाधिकारी शामिल हुए।

संगठन विस्तार के साथ व्यक्तित्व विकास भी जरूरी..

अजय जामवाल ने पदाधिकारियों को संगठन विस्तार एवं दायित्व निर्वहन के संबंध में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि संगठन के कार्यों के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता का व्यक्तित्व विकास भी होना चाहिए। समाज के साथ समरस होकर कार्य करने से संगठन की मजबूती के साथ क्षेत्र में स्वीकार्यता भी बढ़ती है।

उन्होंने संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिम्मेदारियों के अनुरूप कार्य करने के गुरुमंत्र दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की कार्यशैली ÷हर कार्यकर्ता को काम और हर काम के लिए कार्यकर्ता÷ की भावना पर आधारित है और सभी कार्य सामूहिक सहभागिता से संपन्न होने चाहिए।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर होंगे विशेष कार्यक्रम..

अजय जामवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इसे विकास और विश्वास के 12 वर्षों के उत्सव के रूप में प्रभावी ढंग से जनता के बीच मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता नहीं बल्कि सेवा के लिए कार्य करने वाली पार्टी है और जनता का लगातार बढ़ता विश्वास कार्यकर्ताओं के समर्पण और परिश्रम का परिणाम है।

पर्यावरण दिवस से योग दिवस तक चलेगा अभियान..

उन्होंने जानकारी दी कि आगामी 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तक पार्टी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी कार्यक्रम पार्टी के निर्देशानुसार उत्साहपूर्वक संपन्न किए जाएं। साथ ही प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को प्रत्येक बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से आयोजित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के सामूहिक मिलन और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है।

जिला संगठन के कार्यों की हुई सराहना..

जिला भाजपा मीडिया विभाग से मनोज मर्दन त्रिवेदी द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि जिला संगठन प्रभारी एवं विधायक अशोक रोहाणी ने जिले में संचालित संगठनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि जिला, मंडल एवं शक्ति केंद्र स्तर पर नियमित बैठकों के साथ मन की बात कार्यक्रम शत-प्रतिशत बूथों पर सुना जा रहा है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत आयोजित मंडल एवं जिला प्रशिक्षण वर्गों की सफलता पर जिले के पदाधिकारियों को बधाई भी दी।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय संगठन..

जिला अध्यक्ष मीना बिसेन ने वर्षभर में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि जिले में मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर नियमित रूप से आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला कार्यालय में प्रतिदिन पदाधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं और समाधान का प्रयास करते हैं।

ये रहे उपस्थित..

बैठक में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डहेरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष आलोक दुबे, सुजीत जैन, भाजपा महामंत्री संतोष अग्रवाल, मुकेश बघेल, गजानंद पंचेश्वर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पटवा लखेरा समाज ने वार्षिक सम्मेलन में किया प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित

जगप्रेरणा सिवनी।

जीवन दायिनी वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल मुंडारा परतापुर स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में पटवा लखेरा समाज ने 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा, सामाजिक वार्षिक सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह गत दिवस संपन्न हुआ। सात दिवसीय कथा की पूर्ण आहुति के बाद भंडारा आयोजित किया गया।

कथा वाचक पंडित महेंद्र मिश्र ने श्रद्धालुओं को संगीतमय कथा का रसपान कराया। कथा स्थल पहुंचकर मंडला सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते तथा बरघाट विधायक कमल मर्सकोले ने व्यास पीठ का आर्शीवाद लिया। समाजजनों, श्रद्धालुओं को संबोधित किया। वहीं सामाजिक सम्मेलन का प्रारंभ श्री गणेश व माता महागौरी के पूजन से किया गया, जिसमें सामाजिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष श्रीकांत पटवा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. जय प्रकाश सुनेरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चंद्रकांत पटवा व सिवनी पटवा समाज के अध्यक्ष पवन पटवा सहित राष्ट्रीय, प्रांतीय व जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे सामाजिकजनों ने हिस्सा लिया।

मंचीय समारोह में प्रतिवर्ष की तरह कक्षा पहली से बारहवीं तक के समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले सामाजिकजकजनों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य जिलों और प्रदेशों से पधारे पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। इस दौरान बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। अंत में आयोजक समिति श्री राधा कृष्ण मंदिर पटवा लखेरा समाज व महासभा जिला इकाई ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, दानदाताओं, महिला समिति व समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

मानवाधिकार आयोग सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो का दौरा कार्यक्रम..

जगप्रेरणा सिवनी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो प्राप्त अधिकृत कार्यक्रमानुसार 02 जून 2026 को प्रातः 11:30 बजे घंसौर पहुंचेंगे।

घंसौर में सदस्य श्री कानूनगो द्वारा मानवाधिकार एवं समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयों के क्रियान्वयन की स्थिति तथा जमीनी वास्तविकताओं की व्यापक समीक्षा की जाएगी। समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक उपरांत आयोग सदस्य श्री कानूनगो स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। कार्यक्रम उपरांत वे नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियों कांफ्रेंस में दिये आवश्यक दिशा- निर्देश

जगप्रेरणा सिवनी।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बुधवार 27 मई को प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेकर शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों, विकासकार्यों एवं कानून व्यवस्थाओं

की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस वीडियों कांफ्रेंस में प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर, पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत, अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि लोक सेवा गारंटी, जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। इनके निराकरण में प्रशासन की संवेदनशीलता नजर आना चाहिए। उन्होंने पीएम राहत योजना का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसुति सहायता योजना की सहायता राशि वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि योजनाओं के हितग्राहियों को राशि का शीघ्र वितरण किया जाए और कोई भी पात्र हितग्राही महिला इन योजनाओं के लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। बैठक में बताया गया कि इन योजनाओं में सहायता राशि वितरण के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित है और सीएम हेल्पलाईन में भी इस संबंध में प्रकरण दर्ज कराये गए है। अतः इन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

मुख्य सचिव ने बलराम तालाब, नरवाई प्रबंधन की समीक्षा की गई और पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। पशुपालन विभाग को क्षीरधारा एवं कामधेनु योजना में लक्ष्य के अनुरूप ऋण प्रकरण तैयार करने तथा पशुओ का 100 प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने कहा गया। मत्स्यपालन के लिए बडे जलाशयों में लक्ष्य के अनुरूप केज कल्चर लगाने के निर्देश दिये गए। बैठक में किसानों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक वितरण के निर्देश दिये गए। इसके लिए सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिये गए। ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्थित तरीके से हो रहा है और किसानों को उर्वरक के लिए लाइन लगाने की जरूरत नही पड रही है। खरीफ फसलों के लिए प्रदेश में उर्वरक का पयप्ति भंडारण कर लिया गया है और उर्वरक की कमी नही है।

पेयजल व्यवस्था एवं जल स्त्रोतों के रखरखाव को लेकर विशेष निर्देश

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय व्यवस्था पर कडी निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आमजन को पेयजल की समस्या नही होना चाहिए। इसके लिए जल स्त्रोतों एवं हैंडपंपों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने कहा गया। वीडियों कांफ्रेंस में नगरीय निकाय की अमृत-2.0, स्वच्छता सर्वेक्षण, कचरा प्रबंधन, जल गंगा संवर्धन अभियान, राजस्व विभाग के नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, लोकसेवा गारण्टी, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों एवं वर्षा ऋतु के पूर्व बाढ आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई।

श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की समीक्षा के दौरान गेहूँ विक्रय करने वाले किसानों को शीघ्रता से भुगतान करने कहा गया।

सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने प्रभारी कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में गर्मी के मौसम में सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और किसी भी पेयजल समस्या से निपटने के लिए प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम नगर निगम और पंचायत के अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि संबंध में दैनिक रूप से समीक्षा की जाएगी और किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों और पेयजल संकट की सभी शिकायतों को प्राथमिकता में लेकर कार्यवाही करें। प्रभारी कलेक्टर ने जिले की विभिन्न जनपदों के सीईओ को मैदानी स्तर पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां भी बोरवेल या नल-जल योजनाओं की मोटर जलने या खराब होने की शिकायत आती है, उसे तत्काल सुधारा जाए। जनपद सीईओ यह सुनिश्चित करें कि बंद पड़े या खराब बोरवेल की मोटर को 24 घंटे के भीतर सुधारा या बदला जाए।

गंगा दशहरा के अवसर पर कलश यात्रा का आयोजन..

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दिया गया जल संरक्षण का संदेश..

जगप्रेरणा सिवनी।

विकास खंड छपारा के सेक्टर क्रमांक 01 के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में गंगा दशहरा का पर्व परंपरागत तरीके से और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाया गया। जल गंगा संवर्धन

अभियान 2026 के तहत ग्राम बर्रा और बिछुआ में जल संरक्षण, स्वच्छता और धार्मिक आस्था से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कलश यात्रा और शिव मंदिर में कीर्तन कार्यक्रम..

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर ग्राम बिछुआ में कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में गांव की महिलाएं और अन्य ग्रामीण जन शामिल हुए। कलश यात्रा का समापन ग्राम बिछुआ में स्थित शिव मंदिर में हुआ। इसके बाद मंदिर प्रांगण में विशेष पूजा-अर्चना की गई और कीर्तन व भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ग्रामीणों ने शामिल होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

स्वच्छता नल की पूजा और जल बचाने का संकल्प..

धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ पर्यावरण और जल स्त्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बर्रा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ ग्रामीणों को स्वच्छता और जल की महत्ता समझाते हुए 'जल है तो कल है, स्वच्छ जल ही स्वस्थ जीवन का आधार है' का संदेश दिया गया। इस मौके पर स्वच्छता नल की पूजा-अर्चना की गई और उपस्थित लोगों ने पानी को व्यर्थ न बहाने व अपने आसपास सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में रही इनकी उपस्थिति..

इस पूरे आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष वर्षा डोंगरे, नवांकुर संस्था के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीण जनों की सक्रिय सहभागिता और सहयोग रहा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट गोंदिया एवं सिवनी से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा 01 से 06 जून तक..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी द्वारा बताया गया कि शासन के आदेशानुसार जिले की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं एवं मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं एवं 8वीं के

विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन दिनांक 01 जून से 06 जून 2026 तक किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित समय-सारणी अनुसार आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि जारी आदेशानुसार सभी पात्र विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में सम्मिलित कराने की जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों की होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने का दायित्व भी संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों को सौंपा गया है। पुनः परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए गए हैं। विगत वर्ष की भांति निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर ऑन-द-स्पॉट प्रिंटिंग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके लिए परीक्षा पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की संपूर्ण जिम्मेदारी जनशिक्षा केन्द्र प्रभारियों को दी गई है। इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्द्रों पर विद्यार्थियों के लिए शीतल पेयजल तथा आवश्यकता अनुसार पंखे एवं कूलर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपरोक्त संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जिला परियोजना समन्वयक द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं को जारी कर दिए गए हैं।

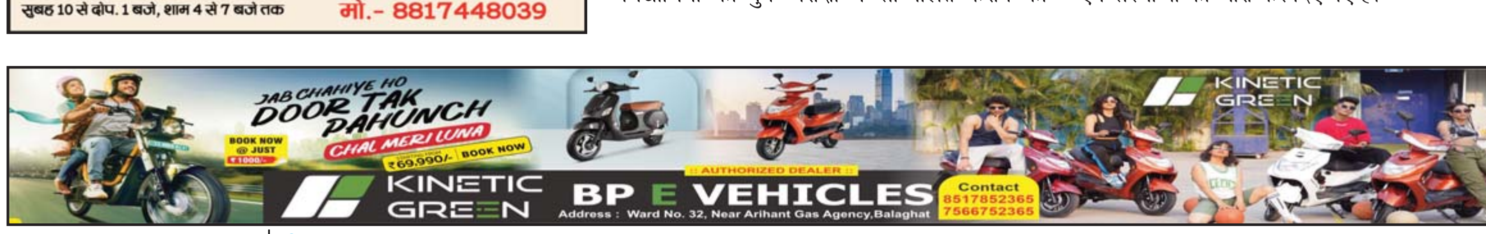

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

बालाघाट मुख्यालय संहित जिले भर में ईदगाह में विशेष नमाज अदा कर मनाया गया ईदुल अजहा का पर्व..

लोगों ने एक दूसरे को लगाया गले, दी ईद की मुबाकरबाद..

जगप्रेरणा बालाघाट।

अल्लाह के नबी हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माईल की याद में मनाया जाने वाला पर्व ÷ईदुल अजहा÷ गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम बंधुओं ने पुलिस लाईन स्थित ईदगाह, और वार्ड नं 10 रजा नगर स्थित मस्जिदे

आला हजरत (जामेआ नूरिया) मदरसे में ईद की विशेष नमाज अदा की, ईदगाह में यह विशेष नमाज मौलाना मोहम्मद समसिर हक साहब तो वही जामेआ नूरिया मदरसे में मौलाना आफ्ताब साहब ने ईद की नमाज अदा कराई।जिसके उपरांत लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर, ईद की बधाइयां दी।

मुल्क की तरक्की के लिए मांगी गई सामूहिक दुआएं..

खुशियों के इस पर्व ईदुल अजहा के खास मौके पर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में सुबह से लेकर देर रात तक रौनके बनी रही।जहा लोग एक दूसरे से मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश करते नजर आए।हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाले ईदुल अजहा के इस खास पर्व पर घर- घर बकरों की कुर्बानी दी गई। जिसके गोश्त को गरीबो, यतीमो, बेसहरा ,रिश्तेदारो औऱ सामाजिक बन्धुओ के बीच बांट कर उन्हें भी अपनी इस खुशियों में शामिल किया गया।पर्व विशेष की शुरुवात गुरुवार सुबह फज्र की नमाज़ के साथ की गई ,जहां मुस्लिम बंधुओं ने फर्ज की नमाज अदा कर पर्व विशेष की तैयारी शुरू कर दी।सुबह ईदगाह में तय किए गए वक्त के अनुसार लोग एकत्र हुए ।जहां इमाम द्वारा दिए गए उद्बोधन के बाद नमाज का तरीका बताया गया।जिसके तुरंत बाद सामूहिक रूप से सुबह 7 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की गई।जिसके उपरांत खुतबा और दुआओं का दौर शुरू हुआ। जहां भारी मात्रा में उपस्थित मुस्लिम बंधुओं ने देश में अमन, चैन ,शांति ,आपसी भाईचारे और मुल्क की तरक्की के लिए सामूहिक रूप से दुआएं मांगी। वही एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां पेश की।

मस्जिदे आला हजरत में भी अदा की गई विशेष नमाज

नगर में यू तो ईदुल अजहा की विशेष नमाज का सामूहिक आयोजन पुलिस लाईन स्थित ईदगाह में किया गया था, लेकिन खास तौर पर बुजुर्गो के लिए यह नमाज नगर के वार्ड नं 10,रजा नगर स्थित मस्जिदे आला हजरत में भी अदा की गई, जहा पूर्व से निर्धारित समय के अनुसार यह नमाज सुबह 8 बजे मौलाना आफ्ताब सहाब द्वारा अदा कराई गई।जहा नमाज मुकम्मल कर सभी ने सामुहिक रूप से दुआएं की, वहीं मुल्क में सौहार्द्र और आपसी भाईचारा कायम रखने के साथ साथ अमनो अमान का संदेश दिया गया।

ईद की खुशियों में गरीब बेसहारों की मदद करें..

पुलिस लाईन स्थित ईदगाह और मदरसे में अदा की गई ईदुल अजहा की इस विशेष नमाज के पूर्व इमाम ने, अपने ब्यान में गरीब बेसहारों की मदद करने को, ईद के असली मायने बताए। जिन्होंने अपने बयान में सभी लोगों को मिलजुल कर रहने, नियम कानूनों का पालन करने, गरीब बेसहारों की मदद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज वह दिन है जिस दिन का इंतजार कई गरीब बेसहारा यतीम लोग करते हैं। उन्हें उम्मीद होती है कि कोई उन्हें भी अपनी इस ईद की खुशी में शामिल करें, इसीलिए चाहिए कि सबसे पहले ईद की खुशियों में गरीब यतीम बेसहारों को याद किया जाए, उनकी मदद की जाए, उनकी जरूरतों को पूरा किया जाए यही ईद के सच्चे मायने हैं। दिखावे के लिए कोई काम करना शिर्क में शामिल होगा। वही इमाम ने ईदुल अजहा का वाकया बयान कर नमाज अदा कराई।और सामूहिक दुवाए कर लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां दी।

मुस्लिम बन्धुओ ने पेश की कुर्बानी..

धार्मिक मान्यतानुसार के अनुसार ईदुल अजहा का पर्व अल्लाह के नबी हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माईल की याद में मनाया जाता है। जिसे याद करने के लिए प्रतिवर्ष मुस्लिम धर्मावलंबी ईदुल अजहा पर्व पर अपनी हैसियत के हिसाब से अल्लाह की राह में, अल्लाह की रजा के लिए जानवरों की कुर्बानी पेश करते है।ईद की नमाज के बाद मुस्लिम बन्धुओ द्वारा कुर्बानी पेश कर उसका गोश्त गरीबो बेसहारा यतीमो और रिश्तेदारों में बंटवाकर उन्हें भी इस खुशियों में शामिल किया गया।साथ ही जरूरतमंदों की आर्थिक मदद की। बताया गया कि कुर्बानी का सिलसिला शनिवार तक यू ही जारी रहेगा।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

ईदुल अजहा के इस खास मौके पर पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज और पर्व विशेष को लेकर जगह-जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां ईदगाह सहित नगर की तमाम मस्जिदों के बाहर पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद नजर आए, तो वही सुबह से लेकर देर शाम तक मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस जवान सुरक्षा में लगे रहे। वही शांतिपूर्ण तरीके से हर साल की तरह इस साल भी ईदुल अजहा का यह पर्व संपन्न हुआ।

जिला खेल विभाग व नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के माध्यम से

ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर में बच्चे सीख रहे खेल की बारीकी

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला खेल एवं कल्याण विभाग व नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से 31 मई तक किया गया है। इसमें

75 बच्चों द्वारा प्राप्त किया जा रहा प्रशिक्षण.. - अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी ने दी जानकारी..

कुशल प्रशिक्षकों में राजेश सेवईवार, सलीना अली व अन्य के द्वारा बच्चों को हॉकी की बारीकियों को सिखाया जा रहा है। इस संबंध में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी व हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष विजय वर्मा द्वारा बताया गया कि जिले में एस्ट्रोटर्फमैदान बन जाने से बच्चों का हॉकी खेल के प्रति रूचि बढ़ी है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से किया गया है। इसमें करीब 75 बच्चों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में खेल की खिलाड़ी खेल की बारीकियों को सीखकर बेहतर खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के खिलाड़ी सत्यम बरडे का हॉकी खेल में बेहतर प्रदर्शन करने पर एससी रेल्वे सिकन्दराबाद में चयन हो गया है। वहीं कुणाल कावरे का सेल राऊरकेरा एकेडमी में चयन हुआ है। जिले के हॉकी खिलाडियों द्वारा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है।

टिल्लु पंपों से पानी लेने वालों पर नगर पालिका ने दिखाई सख्ती, दो दिनों में 7 मोटर की जब्त..

जगप्रेरणा बालाघाट।

भीषण गर्मी और बढ़ती पानी की समस्या के बीच नगर पालिका ने अवैध रूप से लगाए गए टिल्लू पंपों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। सीएम हेल्पलाइन में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर पालिका जलप्रदाय शाखा द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में छापामार कार्रवाई करते हुए दो दिनों में 7 मोटर पंप जब्त किए गए हैं।

मु.न.पा अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई के दौरान वार्ड क्रमांक 7 देवी तालाब क्षेत्र से 2 तथा वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी से 2 मोटर पंप जब्त किए गए। इसके अलावा अन्य वार्डों से भी मोटर पंप जब्त कर संबंधित लोगों के खिलाफचालानी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। नगर पालिका के अनुसार कई वार्डों से कम पानी आने और नलों में पर्याप्त प्रेशर नहीं मिलने की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान कई घरों में नल कनेक्शन से सीधे मोटर पंप जोड़कर अतिरिक्त पानी खींचते पाए गए, जिससे आसपास के घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा था। कार्रवाई के दौरान जब्त मोटरों को जलप्रदाय शाखा में जमा कराया गया है तथा संबंधितों के खिलाफपंचनामा तैयार किया गया है। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर लोगों ने विरोध भी जताया। वार्डवासियों का कहना था कि नगर में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो रही है, जिसके कारण मजबूरी में टिल्लू पंप लगाना पड़ता है। लोगों ने मांग की कि यदि नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाए तो किसी को मोटर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके ने बताया कि नगर में लगातार मुनादी कर लोगों को नल कनेक्शन में मोटर पंप नहीं लगाने की चेतावनी दी जा रही है। इसके बावजूद लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से पानी खींचने वालों के खिलाफकार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस अभियान में उपयंत्री ज्योति मेश्राम, जलप्रदाय शाखा प्रभारी भुवनेश्वर शिव सहित नगर पालिका के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

रीवा में होने वाली राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने रवाना हुए बालाघाट के चयनित तैराक..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला तैराकी संघ बालाघाट के तत्वावधान में नगर मुख्यालय स्थित ग्रीन वैली स्कूल के स्विमिंग पूल में आयोजित जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

30 मई से 2 जून तक आयोजित प्रतियोगिता के लिये जिला तैराकी संघ के प्रतिनिधित्व में रवाना हुआ दल.. जिला तैराकी संघ अध्यक्ष संजीव भाऊ अग्रवाल एवं सचिव महेन्द्र सुराना ने दी जानकारी..

के लिए किया गया है। चयनित खिलाड़ी 30 मई से 2 जून तक रीवा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला तैराकी संघ के जिला अध्यक्ष संजीव भाऊ अग्रवाल एवं सचिव महेंद्र सुराना ने जानकारी देते हुए बताया कि चयनित खिलाड़ियों का दल 28 मई को बालाघाट से रीवा के लिए रवाना किया गया। खिलाड़ियों के रवाना होने से पूर्व संघ पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

संघ पदाधिकारियों ने कहा कि जिले में लगातार तैराकी खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। बालाघाट के खिलाड़ी अब जिला स्तर से आगे बढ़कर राज्य स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार भी जिले के तैराक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालाघाट का नाम रोशन करेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों एवं स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से बड़ी संख्या में जूनियर, सब-जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया गया है तथा उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक तैयारियां भी कराई गई हैं। खिलाड़ियों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। रीवा रवाना हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की कामना करते हुए संघ पदाधिकारियों ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जिला तैराकी संघ भविष्य में भी खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर वाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समेन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है।

संपर्क करें..
मो. 9425639000, 9300039839, 7693039839

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391

परसवाड़ा में उल्लास, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाई गई ईद - उल - अजहा..

कुर्बानी, इबादत और इंसानियत के संदेश के साथ बांटी खुशियां

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा पवित्र पर्व ईद-उल-अजहा 28 मई को परसवाड़ा क्षेत्र में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

पर्व को लेकर सुबह से ही मुस्लिम समाज में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। लोग नए परिधान पहनकर, इत्र लगाकर और सजे-धजे अंदाज में ईदगाह की ओर रवाना हुए। प्रातः ईदगाह मैदान परसवाड़ा में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने एकत्रित होकर ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा की। नमाज के दौरान इमाम द्वारा खुतबा (धार्मिक उपदेश) दिया गया, जिसमें हजरत इब्राहिम की कुर्बानी, त्याग, इंसानियत, भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद करने का संदेश दिया गया। साथ ही देश, प्रदेश एवं विश्व में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं।

नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ÷ईद मुबारक÷ कहकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समाज के सभी वर्गों ने प्रेम और भाईचारे के साथ खुशियां साझा कीं, जिससे सामाजिक एकता और सद्भाव का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

इस अवसर पर परसवाड़ा मुस्लिम जमात के सदर शेख इमरान एवं डॉ. जावेद सिद्दीकी ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, समर्पण और मानवता की सेवा का पर्व है। यह त्योहार हमें जरूरतमंदों की सहायता करने, आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा समाज में प्रेम और सौहार्द फैलाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी लोगों से मिलजुलकर समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

ईद के अवसर पर लोगों ने अपने घरों में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजन तैयार किए। नमाज के पश्चात लोगों ने अपने रिश्तेदारों, मित्रों एवं परिचितों के घर जाकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा पूरे क्षेत्र में दिनभर उत्सव और रौनक का माहौल बना रहा।

यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और मानवता को मजबूत करने वाला भी साबित हुआ।

इस अवसर पर सुल्तान अहमद सिद्दीकी, डॉ. जावेद अहमद सिद्दीकी, अब्दुल सद्दाम कुरैशी, मुस्तकीम खान, मोहम्मद समीम कुरैशी, फिरोज खान, अब्दुल हसन कुरैशी, राजिक खान, अलीम खान, हनीफखान, अब्दुल हमीद खान, हकीम खान, आहिद शेख, आबिद कुरैशी, शानू कुरैशी, अकरम खान, एजाज खान, अब्दुल वसीम खान, सलीम कुरैशी, परवेज (पप्पन) खान, इमरान कुरैशी, पीरू कुरैशी, अमजद खान, राहिल खान, अशरफ खान, सहरोज आलम, अलीखान, सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित रहे।

गो आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती के गुर सीख रहे बालाघाट के किसान..

राजस्थान के भीलवाड़ा में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में मिल रहा आधुनिक और पारंपरिक खेती का ज्ञान

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के उत्कृष्ट किसान इन दिनों गो आधारित जैविक एवं प्राकृतिक फार्मिंग की उन्नत तकनीकों को सीखने के लिए राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में आयोजित पांच दिवसीय विशेष

प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण 27 मई 2026 से 31 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के अनुभवी कृषि विशेषज्ञ किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती की बारीकियां सिखा रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए गो आधारित जैविक खेती, देसी संसाधनों के उपयोग और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर विषय विशेषज्ञों ने जीवों का संरक्षण, रसायनिक खेती के दुष्परिणाम, देसी बीज का महत्व, कीट नियंत्रण, पोषण वाटिका निर्माण, मिश्रित खेती, पशुपालन, वर्षा जल संचयन तथा जैव विविधता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती केवल उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि मिट्टी की उर्वरता, जल संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण में किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने तथा खेती को आत्मनिर्भर बनाने के उपाय भी बताए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में शामिल किसानों ने प्राकृतिक खेती के व्यावहारिक पहलुओं को समझते हुए देसी बीजों के संरक्षण, जैविक खाद निर्माण और पशुपालन आधारित कृषि मॉडल में विशेष रुचि दिखाई। किसानों ने विशेषज्ञों से कृषि नवाचारों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों की जानकारी भी प्राप्त की।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार गो आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती भविष्य की जरूरत है, जिससे रासायनिक खादों पर निर्भरता कम होगी और किसानों की आय में भी वृद्धि संभव होगी। यह प्रशिक्षण किसानों को आत्मनिर्भर, स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरण अनुकूल कृषि व्यवस्था की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बालाघाट का जैविक प्राकृतिक उत्पाद केंद्र बना किसानों और उपभोक्ताओं की पहली पसंद

पांच माह में ही बढ़ी लोकप्रियता, रोजाना 8 से 10 हजार रुपए तक हो रही बिक्री

जगप्रेरणा बालाघाट।

बदलती जीवनशैली और मिलावटी खाद्य पदार्थों से बढ़ते स्वास्थ्य खतरे के बीच अब लोग शुद्ध और जैविक उत्पादों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इसी जागरूकता को नई दिशा देते हुए कृषि विभाग द्वारा बालाघाट नगरीय क्षेत्र

में थाना कोतवाली के सामने संचालित किया जा रहा ÷जैविक प्राकृतिक उत्पाद केंद्र÷ आज किसानों और उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का केंद्र बन गया है। महज पांच माह के भीतर यह केंद्र जैविक उत्पादों की बिक्री का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है।

'नो लॉस, नो प्रॉफिट' की तर्ज पर शुरू किए गए इस केंद्र ने जिले के जैविक खेती करने वाले किसानों और लघु उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए एक सशक्त बाजार उपलब्ध कराया है। यहां जिले के कोस्ते और बुदबुदा क्षेत्र के लघु उद्यमियों द्वारा कच्ची घानी से तैयार सरसों, अलसी, तिल और मूंगफली के शुद्ध तेल उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

केंद्र पर ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ योजना में शामिल बालाघाट का प्रसिद्ध जैविक चिन्नौर चावल भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा देशी तुअर दाल, किसानों द्वारा तैयार शुद्ध गुड़, कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मोटे अनाज भी यहां उपलब्ध हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार हल्दी पाउडर और शहद की भी अच्छी मांग देखी जा रही है।

इतना ही नहीं, भरवेली के मुंडीमाई समूह द्वारा तैयार जैविक केंचुआ खाद के पैकेट भी किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। इस केंद्र के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार मिलने से किसानों और महिला समूहों की आय में भी सकारात्मक बढ़ोतरी हो रही है।

बाजार में मिलावट और रसायनयुक्त खाद्य पदार्थों की बढ़ती शिकायतों के बीच लोग अब शुद्धता और गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रहे हैं। यही वजह है कि इस केंद्र पर प्रतिदिन औसतन 8 से 10 हजार रुपए तक की बिक्री हो रही है, जबकि माह की शुरुआत में यह आंकड़ा 15 हजार रुपए प्रतिदिन तक पहुंच जाता है।

कृषि विभाग का यह प्रयास न केवल जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक संचालित होने वाला यह केंद्र अब बालाघाट में जैविक जीवनशैली का नया प्रतीक बनता जा रहा है।

ग्राम नाटा में पेयजल संकट पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, वृद्ध बैगा महिला के घर का हैंडपंप सुधरा..

नल-जल योजना बहाल करने के निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

विगत दिनों सोशल मीडिया एवं विभिन्न समाचार माध्यमों में ग्राम नाटा (पंडाटोला), तहसील परसवाड़ा में पेयजल संकट तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय

की वृद्ध महिला श्रीमती लालती बाई मेरावी को पानी की समस्या होने संबंधी समाचार प्रमुखता से प्रसारित हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन बालाघाट ने तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की है।

27 मई 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) परसवाड़ा श्री श्रीष प्यासी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के एसडीओ, संबंधित उपयंत्री एवं तकनीकी अमले ने ग्राम नाटा का संयुक्त आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पेयजल व्यवस्था की विस्तृत जांच कर मौके पर ही आवश्यक सुधारात्मक एवं दण्डात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण में पाया गया कि वृद्ध महिला श्रीमती लालती बाई मेरावी के घर के सामने स्थित हैंडपंप दो दिन पूर्व तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गया था। पीएचई विभाग की मैकेनिक टीम ने तत्काल मरम्मत कार्य करते हुए हैंडपंप को पुनः चालू कर दिया। वर्तमान में वहां सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि पंडा टोला में जल-शोधन योजना की मोटर चोरी हो जाने तथा बीजा टोला में नए ट्यूबवेल में मोटर स्थापित नहीं होने के कारण नल-जल योजना प्रभावित थी। इस पर प्रशासन ने संबंधित ठेकेदार को कड़े निर्देश जारी करते हुए आगामी दो दिनों के भीतर नई मोटर स्थापित कर जलप्रदाय बहाल करने को कहा गया था। समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर वैधानिक एवं अनुबंधात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। पीएचई विभाग द्वारा आज दिनांक 28 मई को ग्राम पंडा टोला नाटा में सोलर पंप स्थापित कर मोटर के माध्यम से जलप्रदाय प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त ग्राम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित नवीन सड़क के कारण एमडीपीई (रूष्ठक्कश्व) कनेक्शन पाइप दब गए हैं, जिनके सुधार का कार्य लगभग 3 दिवस में पूर्ण कर सभी घरों में नल के माध्यम से जलप्रदाय सुनिश्चित किया जाएगा। ग्राम की अन्य बसाहट बीजा टोला में विभाग द्वारा सिंगल फेज मोटर स्थापित कर स्पॉट पर जलप्रदाय प्रारंभ कर दिया गया है।

ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पंडा टोला एवं बीजा टोला क्षेत्र के सभी हैंडपंपों का संधारण एवं सुधार कार्य भी पूर्ण करा लिया गया है। वर्तमान में सभी हैंडपंपों से नियमित जल आपूर्ति की जा रही है।

निरीक्षण दल ने ग्राम नाटा के अन्य टोलों - पटेल टोला, नाका टोला एवं नीमटोला का भी भौतिक सत्यापन किया, जहां नल-जल योजना सुचारू रूप से संचालित पाई गई। इसके अलावा समीपवर्ती ग्राम बरिया, मुन्नू टोला एवं नरवरी टोला में भी जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित योजनाएं नियमित रूप से संचालित पाई गईं। एसडीएम परसवाड़ा श्री प्यासी ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कृषि सखियों को डीएसआर, प्राकृतिक खेती एवं हरी खाद तकनीक का दिया गया प्रशिक्षण

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से आज दिनांक 28 मई 2026 को आत्मा कार्यालय बालाघाट में विकासखंड लालबर्रा,

कटंगी एवं वारासिवनी की कृषि सखियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा खरीफसीजन की तैयारियों, धान उत्पादन की उन्नत तकनीकों तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना संचालक आत्मा श्री फूलसिंह मालवीय ने कृषि सखियों को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) पद्धति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीएसआर विधि पारंपरिक धान रोपाई की तुलना में कम लागत, कम पानी और कम श्रम में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीक है। इस पद्धति में सीधे बीज बोए जाते हैं, जिससे समय की बचत होने के साथ किसानों को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की दृष्टि से भी डीएसआर तकनीक वर्तमान समय में अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है।

श्री मालवीय ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती के महत्व से भी अवगत कराया और किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए प्रेरित करने की बात कही।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है तथा उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है। प्रशिक्षण के दौरान धान की फसल में अजोला के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि अजोला एक जैविक पोषक तत्व है, जो धान की फसल के लिए प्राकृतिक नाइट्रोजन स्रोत के रूप में कार्य करता है। इसके उपयोग से रासायनिक खाद की आवश्यकता कम होती है तथा मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है।

इसके अतिरिक्त कृषि सखियों को हरी खाद की प्रमुख फसल ढैचा के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि ढैचा की खेती करने से भूमि में जैविक तत्वों की वृद्धि होती है और मिट्टी की संरचना में सुधार आता है, जिससे आगामी फसलों का उत्पादन बेहतर होता है।

कार्यक्रम में कृषि सखियों ने प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न कृषि तकनीकों से संबंधित सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

कृषि विभाग ने कृषि सखियों से अपील की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाकर किसानों को आधुनिक, किफायती एवं पर्यावरण अनुकूल खेती के लिए प्रेरित करें।

बालाघाट में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग - उड़द उपार्जन हेतु पंजीयन शुरू..

15 पंजीयन की अंतिम तिथि..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए बालाघाट जिले में किसानों का पंजीयन 25 मई 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। कृषि एवं सहकारिता विभाग ने अधिक से अधिक किसानों से समय सीमा के भीतर पंजीयन कराने की अपील की है।

किसानों की सुविधा के लिए जिले में 13 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें सेवा सहकारी संस्था लांजी, सेवा सहकारी संस्था खैरलांजी, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था बारासिवनी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था परसवाड़ा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उकवा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था लामता, सेवा सहकारी समिति मर्यादित पायली, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मिरेगांव, सेवा सहकारी समिति मर्यादित डोकरबंदी, सेवा सहकारी समिति मर्यादित बडग़ांव-किरनापुर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित कायदी, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मानेगांव-बिरसा एवं सेवा सहकारी समिति बनेरा शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मूंग एवं उड़द पंजीयन केंद्रों की स्थापना ई-उपार्जन पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी है। संबंधित समिति प्रबंधकों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगइन कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें।

प्रशासन ने किसानों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित पंजीयन केंद्रों पर पहुंचकर समय सीमा के भीतर अपना पंजीयन कराएं, ताकि समर्थन मूल्य योजना का लाभ प्राप्त किया जा सके।

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..

पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

विधायक गौरव सिंह पारधी ने सिरपुर और बनेरा में दी 65 लाख से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के तहत विधायक गौरव सिंह पारधी ने ग्राम पंचायत सिरपुर और बनेरा में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इन विकास कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करना और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सिरपुर में गोदाम, सड़क और सामुदायिक कक्ष की सौगात

ग्राम पंचायत सिरपुर में करीब 65.43 लाख की लागत के विकास कार्यों की शुरुआत की गई। इसमें किसानों और भंडारण की सुविधा के लिए 52.32 लाख की लागत से बनने वाले 500 मी. टन क्षमता के गोदाम तथा 11.11 लाख की लागत से बनने वाली सी.सी. रोड का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही, जिला पंचायत सदस्य की मद से ग्रामीणों की सामाजिक गतिविधियों के लिए 2 लाख की लागत से तैयार हुए सामुदायिक कक्ष का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।

बनेरा में सी.सी. रोड का भूमिपूजन

सिरपुर के बाद विधायक बनेरा पहुँचे, जहाँ उन्होंने गाँव की आंतरिक सड़क को बेहतर बनाने के लिए राज्य वित्त आयोग से लगभग 12 लाख की सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के बनने से बारिश के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी।

गाँवों का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता: गौरव पारधी

इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़क, भंडारण और सामुदायिक अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि कटंगी विधानसभा के प्रत्येक गाँव तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाना और अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ सुनिश्चित करना ही उनका मुख्य संकल्प है।

युवा ऊर्जा से हो रहा विकास: केशर बिसेन

कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती केशर बिसेन ने विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विधायक अपनी युवा ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ क्षेत्र के विकास को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

ग्रामीणों ने जताया आभार

अनाज गोदाम, सी.सी. रोड और सामुदायिक भवन जैसी व्यावहारिक जरूरतें पूरी होने पर स्थानीय ग्रामीणों और वरिष्ठ जनों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने गाँव में पहुँचने पर विधायक गौरव सिंह पारधी का आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समाधान करने के लिए विधायक एवं शासन के प्रति अपना आभार और धन्यवाद प्रकट किया।

इस दौरान कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती बबिता ओमप्रकाश वरकड़े, जनपद सदस्य सुखचंद पटले, मंडल अध्यक्ष श्री सौरभ ठाकरे, ग्राम सिरपुर सरपंच श्रीमती मिताली प्रमोद खंडायत, बनेरा सरपंच भागचंद पटले सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में विधायक गौरव सिंह पारधी ने की सहभागिता

कटंगी विधानसभा के लिए गौरवपूर्ण अवसर

जगप्रेरणा कंटगी (बालाघाट)।

नेशन फर्स्ट पॉलिसी रिसर्च एंड चेंज फाउंडेशन द्वारा ÷बिल्डिंग विकसित भारत -2047: एडवांसिंग हेल्थ एंड एजुकेशन रिफॉर्म÷ विषय पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में कटंगी विधानसभा

के माननीय विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत के निर्माण की दिशा में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में आवश्यक सुधारों और भविष्य की नीतियों पर व्यापक चर्चा करना था। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री तरुण चुघ, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा एवं सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ सहित देशभर के विभिन्न राज्यों से आए विधायकगण, नीति विशेषज्ञ एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक विचार-विमर्श किया गया तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए।

राष्ट्रीय आयोजनों में गौरव पारधी कर रहे कटंगी विधानसभा की सशक्त भागीदारी

विधायक श्री गौरव सिंह पारधी की इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता कटंगी विधानसभा के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। राष्ट्रीय स्तर के ऐसे महत्वपूर्ण मंचों पर उनकी उपस्थिति न केवल मध्य प्रदेश बल्कि संपूर्ण कटंगी विधानसभा क्षेत्र के प्रभावी प्रतिनिधित्व को दर्शाती है। देश के विकास, नीति निर्माण और जनहित से जुड़े विषयों पर उनकी सक्रिय सहभागिता क्षेत्र की बढ़ती पहचान और सशक्त भागीदारी को भी प्रदर्शित करती है।

श्री रामलला सेवा समिति की नई कार्यकारिणी घोषित; श्री राकेश सोनी बने अध्यक्ष, जुलाई में निकलेगी भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

स्थानीय रामलला सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से संस्था का विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है. आगामी सत्र के लिए श्री राकेश सोनी को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी जुलाई माह में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए समिति ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसके अलावा, सामाजिक सरोकारों के तहत नगर में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया जाएगा.

गौरतलब है कि वारासिवनी की श्री रामलला सेवा समिति मुख्य रूप से धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर सनातन धर्म की सेवा के लिए विशेष रूप से जानी जाती है।

भजन संध्या व कीर्तन: समिति द्वारा समय-समय पर कलाकारों और भजन मंडलियों के द्वारा कीर्तन और भव्य भजन संध्या जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से गहरा जुड़ाव: समिति का इतिहास अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वैचारिक चेतना से सदैव प्रेरित रहा है। कारसेवकों के प्रति सम्मान की भावना को संजोए रखते हुए, अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर उद्घाटन के ऐतिहासिक समय पर इस समिति ने वारासिवनी नगर में विशाल दीपोत्सव, सत्संग और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन कर स्थानीय स्तर पर अभूतपूर्व धार्मिक चेतना का संचार किया था।

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष: श्री राकेश सोनी,उपाध्यक्ष:श्री दीपक ओडे, श्री प्रदीप श्रीवास्तव, सचिव: श्री अभिषेक अग्रवाल, सह सचिव:श्री रतन अग्रवाल, श्री केतन जैन, कोषाध्यक्ष: श्री बलराम पारधी, कार्यक्रम संयोजक: श्री विनय सुराना, श्री जगदीश नेमा, श्री लोकचंद ठाकरे, श्री डिलेश खंडेलकर, श्री विजय पटेल, मीडिया प्रभारी: श्री कैलाश कसार, महिला प्रभारी: कु. मनीषा जैसवाल, श्रीमती पूनम झा, संरक्षक मंडल: राजपूत क्षत्रिय सभा जिला अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, डॉक्टर श्री रविन्द्र ता ठौड़, श्री राम रूसिया, कार्यकारिणी सदस्य: श्री योगेश यादव, श्री प्रमोद रंगडाले, श्री प्रदीप शरणागत, श्री बंटी पारधी, श्री सुरेश कुर्वे, श्री डिलेंद्र देशमुख, श्र विनय नागेंद्र. को जिम्मेदारी दी गई, साल भर आयोजित होते हैं धार्मिक व सामाजिक कार्य: श्री रामलला सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष कई नियत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

इनमें मुख्य रूप से जगन्नाथ रथ यात्रा के अलावा, वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज के साथ समन्वय, संत रविदास जयंती पर ग्राम खंडवा में सेवा कार्य, चैत्र व शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य कन्या पूजन और रामनवमी के अवसर पर सुंदरकांड पाठ व महाप्रसाद जैसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम शामिल हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राकेश सोनी ने जिम्मेदारी मिलने पर आभार जताते हुए कहा, समिति ने मुझे अध्यक्ष पद का जो नया दायित्व सौंपा है, उसे मैं पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा. हमारी समिति का इतिहास राम मंदिर शिलान्यास की वैचारिक चेतना और सनातन धर्म की सेवा से जुड़ा रहा है।

इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमारी नई टीम पूरी ऊर्जा के साथ आगामी जगन्नाथ रथ यात्रा को ऐतिहासिक और भव्य रूप प्रदान करने में जुट गई है. धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ अब हमारी समिति सामाजिक व सेवा कार्यों में भी कदम आगे बढ़ा रही है, जिसके अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए मानसून में सघन पौधारोपण किया जाएगा.'

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी

मो. 7697505999

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - 9329033433

परंपरा और रिवाजों के साथ मनाया बकरीद पर्व, नमाज अता कर अमनों अमन के लिए मांगी दुआएं

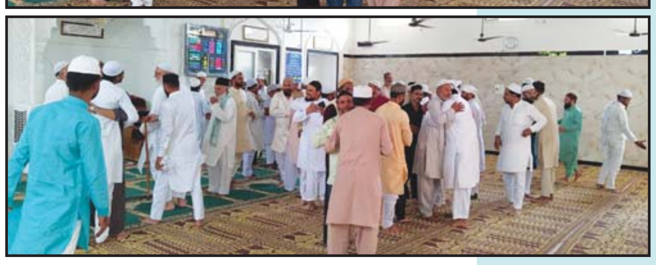

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी नगर में गुरुवार को देशभर में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार मनाया गया है। लांजी नगर स्थित जामा मस्जिद में ईद की नमाज के लिए सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी।

मुस्लिम समुदाय द्वारा गुरुवार को सुबह नमाज अता की गई। इस दौरान मौलाना अनवार साहब ने कहा कि ईद पर सभी गिले शिकवे मिटाकर दोस्तों व अपनों की तरह सभी को गले लगाना चाहिए।

शांति पूर्वक मनाया गया ईद-उल-अजह का पर्व..

ईद अल.अज़हा या बकरीद, अरबी में ईद.उल.अज़्हा अथवा ईद.उल.अद्श्हा . जिसका मतलब कुरबानी की ईद इस्लाम धर्म में विश्वास करने वाले लोगों का एक प्रमुख त्यौहार है। रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति के लगभग 70 दिनों बाद इसे मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार हज़रत इब्राहिम अपने पुत्र हज़रत इस्माइल को इसी दिन खुदा के हुक्म पर खुदा कि राह में कुर्बान करने जा रहे थे तो अल्लाह ने उसके पुत्र को जीवनदान दे दिया जिसकी याद में यह पर्व मनाया जाता है। ईद-उल-अजह उर्दू महीने जिल्हिज की10 वीं तारीख को पर सामूहिक तौर पर ईद की नमाज़ अदा की जाती है। इसमें दो राकात नमाज शामिल हैं। जिसमें पहली राकात में सात तक्बीर और दूसरी राकात में पाँच तकबीरें हैं। प्रार्थनाओं और उपदेशों के समापन पर मुसलमान एक दूसरे के साथ गले मिलते हैं और एक दूसरे को बधाई देते हैं, ईद मुबारक उपहार देते हैं और एक दूसरे से मिलते हैं। बहुत से मुसलमान अपने ईद त्योहारों पर अपने गैर.मुस्लिम दोस्तों पड़ोसियों सहकर्मियों और सहपाठियों को इस अवसर पर आमंत्रित करते है।

त्याग का पर्व ईद-उल-अजह:

बकरीद का त्यौहार हिजरी के आखिरी महीने ज़ु अल.हज्जा में मनाया जाता है। पूरी दुनिया के मुसलमान इस महीने में मक्का सऊदी अरब में एकत्रित होकर हज मनाते है। ईद उल अजहा भी इसी दिन मनाई जाती है। वास्तव में यह हज की एक अंशीय अदायगी और मुसलमानों के भाव का दिन है। दुनिया भर के मुसलमानों का एक समूह मक्का में हज करता है बाकी मुसलमानों के अंतरराष्ट्रीय भाव का दिन बन जाता है। ईद उल अजहा का अक्षरशरू अर्थ त्याग वाली ईद है इस दिन जानवर की कुर्बानी देना एक प्रकार की प्रतीकात्मक कुर्बानी है।

मस्जिद में अदा की गई ईद उल अजहा की नमाज..

गर्मी के मौसम को देखते हुए लांजी नगर में ईद उल अजहा की नमाज मुस्लिम समुदाय द्वारा मस्जिद में अदा की गई जिसमें जामा मस्जिद लांजी और मस्जिद याकूबिया रजविया में अपने अपने समय अनुसार नमाज अदा की गई जहां पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की नमाज अदा करने के लिए उपस्थित हुए एवं देश में अमन और चैन की दुआ मांगी।

आश्वासन मिलने पर चौंदाटोला के ग्रामीणों का धरना आंदोलन समाप्त

प्रक्रिया पूर्ण होते ही जल्द होगा सड़क निर्माण - विधायक कर्राहे..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के ग्रामीण जन चौंदाटोला-जूनेवानी सडक़ को लेकर नौतपा की झुलसा देने वाली गर्मी में शुरू हुआ ग्रामीणों का आंदोलन आखिरकार असर दिखा गया।

कई दिनों से चौंदाटोला चौक पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे पहुंचे और सडक़ निर्माण को लेकर बड़ा भरोसा दिलाते हुये अनशन समाप्त करवाया। विधायक ने ग्रामीणों से कहा कि यह सिर्फ सडक़ नहीं, बल्कि कई गांवों की जीवनरेखा है और इसकी बदहाली को लेकर शासन स्तर पर लगातार पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि सडक़ निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृति मिल चुकी है तथा प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। दरअसल, चौंदाटोला से रानककोड़ी मेन रोड तक लगभग तीन किलोमीटर लंबा यह मार्ग वर्षों से बदहाल पड़ा है। बरसात में दलदल और गर्मियों में धूल के गुबार से परेशान ग्रामीणों का सब्र आखिरकार टूट गया था। 26 मई से ग्रामीण चौंदाटोला चौक पर धरने पर बैठ गए थे। आंदोलन के दौरान प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी हुई और ग्रामीणों ने साफ कहा था कि अब उन्हें आश्वासनों की नहीं सडक़ निर्माण की जरूरत है।

धरना स्थल पहुंचकर विधायक ने दिया भरोसा, नरम पड़े ग्रामीण..

धरना स्थल पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता को अब ज्यादा समय तक परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सडक़ निर्माण की प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ाई जाएगी और जल्द बेहतर सडक़ सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

आपने बताया सीएम विशिष्ट निधी की राशि 1 करोड 63 लाख रूपये उक्त मार्ग केलिये स्वीकृत है जल्द ही टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निविदा लगेगी और मार्ग निर्माण अतिशिघ्र होगा। विधायक की इस पहल के बाद आंदोलनकारी ग्रामीणों का रुख नरम पड़ा। ग्रामीणों ने कहा कि जनप्रतिनिधि स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और समस्या के समाधान की दिशा में पहल की जिससे उन्हें उम्मीद जगी है कि अब वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। इसके बाद आंदोलनकारी शांतिपूर्वक धरना समाप्त कर अपने.अपने घर लौट गए।

जब खाट बनी एंबुलेंस, तब पूरे प्रदेश ने देखा था दर्द..

यह वही सडक़ है जिसने दो वर्ष पहले पूरे प्रदेश का ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब जुनेवानी गांव की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान खराब सडक़ के कारण परिजनों को खाट पर उठाकर मुख्य सडक़ तक लाना पड़ा था। बारिश और कीचड़ से हालात इतने खराब थे कि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी थी। उस घटना की तस्वीरें और वीडियो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बने थे। उस दौरान भी सडक़ निर्माण के दावे किए गए थे, लेकिन हालात नहीं बदले। धरना प्रदर्शन के दौरान कविता महेश मात्रे, सरपंच पति लक्ष्मण कावरे, गेंदलाल पंचाले, भक्त कुमार कावरे, ईश्वर नागफासे अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफासे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल विद्युत पोल से टकराई बेहला-चिचोली मार्ग घटना में युवक की दर्दनाक मौत

जगप्रेरणा लांजी।

बहेला थाना क्षेत्र अंतर्गत बहेला और चिचोली के बीच 27 मई बुधवार रात्रि एक दर्दनाक सडक़ हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना के संबध में बताया जा रहा है

बहेला चिचोली मार्ग पर सडक़ किनारे लगे विद्युत पोल से एक मोटर सायकल अनियंत्रित होकर टकराई गई। मोटर सायकल में सवार को हादसे में गंभीर चोटे आई थी, घटना स्थल पर मौजूद लोगो एवं रिश्तेदारो के द्वारा घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी लाया जहां डाक्टर्स ने युवक को मृत घोषित किया। मृतक की पहचान चिचोली निवासी पोतन पिता केशव भैसारे (35 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना 27 मई की रात्रि लगभग 8.30 बजे के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मृतक पोतन राजमिस्त्री का काम करता था और दोपहर में भोजन करने के बाद अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 एमएम 8652 लेकर घर से निकला था। मृतक के भांजे मिथलेश यादव ने बताया कि रात करीब 9 बजे उन्हें घटना स्थल से फोन पर सूचना मिली की मामा जी सडक़ दुर्घटना में घायल हो गये है जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि घायल उनके मामा पोतन ही थे। इसके बाद साथियों की मदद से उन्हें निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, लेकिन घटना अतिगंभीर होने के चलते पोतन अत्यधिक गंभीर रूप से घायल हो गया था तथा जब तक वह उसे सिविल अस्पताल लेकर पंहुचे तब तक पोतन की मृत्यु हो चुकी थी। सिविल अस्पताल में उपस्थित डाक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथ ही उक्त घटना की सूचना लांजी पुलिस को मर्ग तहरीर के रूप में दी गई। लांजी थाने से पुलिस के द्वारा अस्पताल पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही की गई साथ ही घटना बहेला थाना क्षेत्र अन्तर्गत घटित होने के चलते शुन्य पर मर्ग कायम कर असल कायमी हेतु बहेला थाना मर्ग डायरी भेजी जायेगी। परिजनों ने मृतक युवक अपने पीछे पत्नि और दो मासूम बच्चे छोड गया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार सहित ग्राम में शोक की लहर व्याप्त हो गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। 28 मई को शव का पीएम करवाया गया तथा शव परिजनों को सौंप दिया गया। ग्रामीण जनो ने नम आंखो से पोतन को विदाई देकर शोक श्रृद्धांजलि अर्पित की। वहीं बहेला पुलिस मामले में मर्ग पंजीबद्ध कर जांच करेगी।

समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग-उड़द उपार्जन हेतु पंजीयन शुरू

पंजीयन की अंतिम तिथि- 15

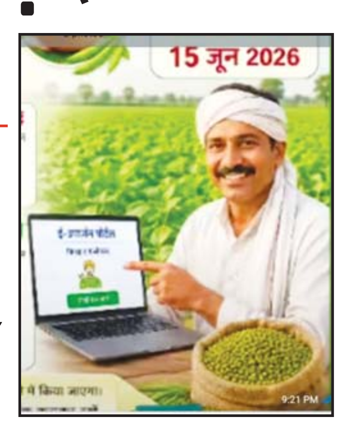

जगप्रेरणा किरनापुर।

समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए बालाघाट जिले में किसानों का पंजीयन 25 मई 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है।

पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। कृषि एवं सहकारिता विभाग ने अधिक से अधिक किसानों से समय सीमा के भीतर पंजीयन कराने की अपील की है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में 13 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें सेवा सहकारी समिति मर्यादित बड़गांव-किरनापुर शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मूंग एवं उड़द पंजीयन केंद्रों की स्थापना ई-उपार्जन पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी है। संबंधित समिति प्रबंधकों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगइन कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें।

प्रशासन ने किसानों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित पंजीयन केंद्रों पर पहुंचकर समय सीमा के भीतर अपना पंजीयन कराएं, ताकि समर्थन मूल्य योजना का लाभ प्राप्त किया जा सके।

एकल अभियान आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग किरनापुर मे हुआ संपन्न

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे..

मो. 9329033433

जगप्रेरणा किरनापुर।

एकल अभियान अंतर्गत आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग संच किरनापुर मे दिनांक 27/ 05/ 2026 से 28/ 05/ 2026 तक सुबह 10 बजे से दूसरे दिन के 4 बजे तक सरिता जोशी के निवास स्थान मे संचालित किया गया।

इस अभ्यास वर्ग में रिपोर्टिंग के साथ सभी आचार्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मा भारती व मा सरस्वती के पूजन अर्चन व सरस्वती वंदना एकल गीत से किया गया।सभी आचार्य को शाम की शाखा एवम खेलकूद सिखाया गया। जैविक खाद एवम पर्यावरण पर चर्चा की गई इस प्रकार पंचमुखी शिक्षा का पाठ्यक्रम सिखाया गया। संध्यकालीन भजनों के साथ सत्संग किया गया एवम भारत माता की आरती पश्चात भोजन ग्रहण किया गया।

दूसरे दिन 28 मई को सुबह 10 बजे..

से 4 बजे तक वर्ग लगा जिसमे सन्च समिति के अध्यक्ष लोमेश तुरकर उपाध्यक्ष गीतेश्वरी पाठक सचिव एन आर गर्दे जी महिला समिति अध्यक्ष सरिता जोशी सदस्य सुषमा सुनेरी सदस्य एवं राजेंद्र सुनेरी अंचल व्यास प्रमुख श्याम कुमार दुफारे संच प्रमुख राजेश बांगरे संच व्यास अंकित ढोरे एवम सभी आचार्य की उपस्थिति मे संपन्न हुआ।

सुश्रृत क्षारसुत्र व आयुर्वेद पंचकर्म सेंटर

● मुळव्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)

● फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदारोग

अत्याधुनिक व्हेसल सिलर, लेजर व क्षारसुत्र द्वारा दर्दरहित सफल चिकित्सा

व्हेसल सिलर मशिन

व्हेसल सिलर क्लैम्प

लेजर

डॉ. कमलापती खोब्रागडे

BAMS, M.S. (Scholar) CCKS (Guj)

मुळव्याध, भगंदर व गुदारोग विशेषज्ञ

डॉ. सौं. अपर्णा खोब्रागडे

BAMS, D.P.C. (Mumbai)

आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक

साकेत पब्लिक स्कुल के पास, गणेश नगर, गोंदिया (महाराष्ट्र)

मोबा. 09823021274

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

जग प्रेरणा

साहित्य / अभिव्यक्ति

● संपादकीय ● लेख ● कविता ● व्यंग्य ● राजनीतिक टिप्पणी ● धार्मिक लेख ● सामाजिक लेख

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

मिशन डेमोग्राफी : इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट1983 क़ा दुष्प्रभाव- अवैध घुसपैठियों पर सरकार का चलेगा डंड-भारत की बदलती जनसांख्यिकीय चुनौती का व्यापक समग्र विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत में अवैध घुसपैठ, सीमाई सुरक्षा और जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों को लेकर बहस कोई नई नहीं है,लेकिन वर्ष 2026 में यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा विमर्श के केंद्र में आ गया है। केंद्र सरकार ने मिशन डेमोग्राफी के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा करके यह संकेत दिया है कि अब अवैध प्रवासन को केवल कानून-व्यवस्था या मानवीय समस्या के रूप में नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक संतुलन, सीमा प्रबंधन, संसाधनों पर दबाव और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस अननेचुरल डेमोग्राफिक चेंज की बात कही, उसका सीधा संबंध उन क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है जहाँ सरकार के अनुसार अवैध घुसपैठ,सीमा पार गतिविधियों और संगठित बसावट के कारण जनसंख्या संरचना में असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है,जिसका उद्देश्य अवैध आप्रवास,सीमाई घुसपैठ,मतदाता पहचान, फर्जी दस्तावेज, सीमा प्रबंधन और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों का व्यापक अध्ययन करना है। इस पूरी बहस के केंद्र में एक पुराना और विवादित कानून भी फिर चर्चा में आ गया है, आईएमडीटी एक्ट,1983, जिसे आलोचक असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का बड़ा कारण मानते हैं, जबकि समर्थक इसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते रहे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि आज मिशन डेमोग्राफी को लेकर जो राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष दिखाई दे रहा है,उसकी जड़ें असम आंदोलन,अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और भारतीय लोकतंत्र में वोट बैंक राजनीति के आरोपों तक जाती हैं। यही कारण है कि सरकार अब डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट की नीति को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है।

साथियों बात अगर हम भारत में अवैध प्रवासन क़े प्रश्न को समझने की करें तो, यह विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों,खासकर असम से जुड़ा रहा है। असम लंबे समय तक बांग्लादेश से होने वाली कथित अवैध घुसपैठ का केंद्र माना जाता रहा।1970 और 1980 के दशक में यह मुद्दा इतना बड़ा बन गया कि वहाँ व्यापक जन आंदोलन शुरू हुआ,जिसे असम आंदोलन कहा गयाआंदोलनकारी संगठनों का आरोप था कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रहे हैं,स्थानीय संस्कृति और भाषाई पहचान पर दबाव बढ़ रहा है तथा मतदाता सूचियों में बाहरी लोगों के नाम शामिल होने से लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में 1983 में इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट यानी आईएमडीटी एक्ट लागू किया गया। यह कानून केवल असम में लागू था और इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान करना बताया गया था।

साथियों, आईएमडीटी एक्ट की सबसे बड़ी विशेषता और विवाद यही था कि इसमें किसी व्यक्ति को विदेशी साबित करने की जिम्मेदारी राज्य और शिकायतकर्ता पर डाली गई थी। भारत के बाकी हिस्सों में लागू फॉरेनर्स एक्ट,1946 के तहत यदि किसी व्यक्ति पर विदेशी होने का संदेह होता था तो उस व्यक्ति को स्वयं साबित करना पड़ता था कि वह भारतीय नागरिक है।लेकिन आईएमडीटी एक्ट में उल्टा प्रावधान था। आलोचकों ने कहा कि इससे अवैध घुसपैठियों की पहचान करना लगभग असंभव हो गया। शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को विस्तृत प्रमाण देने पड़ते थे,जबकि प्रशासनिक प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि हजारों मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती थी। यही कारण था कि कई राष्ट्रवादी और क्षेत्रीय संगठनों ने इसे घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून कहना शुरू कर दिया।असम में जनसंख्या परिवर्तन को लेकर जो चिंता व्यक्त की जाती रही, उसका संबंध केवल आबादी की संख्या से नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सांस्कृतिक पहचान से भी था। कई जिलों में धार्मिक और भाषाई संरचना बदलने के दावे किए गए। स्थानीय संगठनों का आरोप था कि अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे चुनावी समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण था कि डेमोग्राफी और डेमोक्रेसी को एक-दूसरे से जोड़ा जाने लगा। आलोचकों का तर्क था कि यदि बड़ी संख्या में बाहरी लोग मतदाता बन जाते हैं तो स्थानीय समुदायों का राजनीतिक प्रभाव कमजोर हो सकता है। दूसरी ओर आईएमडीटी एक्ट के समर्थकों का कहना था कि असम में रहने वाले अनेक बंगाली भाषी मुसलमानों और गरीब नागरिकों को मनमाने ढंग से विदेशी घोषित किए जाने का खतरा था, इसलिए यह कानून मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी था।यह विवाद अंततः भारतीय सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। वर्ष 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने आईएमडीटी एक्ट को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यह कानून अवैध घुसपैठ रोकने में प्रभावी साबित नहीं हुआ और इसने विदेशी पहचान की प्रक्रिया को अत्यधिक कठिन बना दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि असम की जनसांख्यिकीय स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके बाद असम में भी विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए फॉरेनर्स एक्ट के नियम लागू किए गए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को कई लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से ऐतिहासिक माना, जबकि कुछ मानवाधिकार संगठनों ने चिंता व्यक्त की कि इससे निर्दोष नागरिकों को परेशान किए जाने की संभावना सटीकता से बढ़ सकती है।

साथियों, अब वर्ष 2026 में केंद्र सरकार जिस मिशन डेमोग्राफी की बात कर रही है, उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि कहीं न कहीं इसी ऐतिहासिक बहस से जुड़ी हुई दिखाई देती है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित नई उच्चस्तरीय समिति का उद्देश्य केवल अवैध घुसपैठ की पहचान करना नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक और साक्ष्य- आधारित अध्ययन करना बताया गया है। समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को सौंपी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और मध्य प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त रह चुके हैं। समिति में पूर्व नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, आर्थिक विशेषज्ञ और जनगणना आयुक्त जैसे सदस्य शामिल किए गए हैं ताकि इस संवेदनशील विषय का बहुआयामी अध्ययन किया जा सके।समिति को जिन प्रमुख कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, वे इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसे अवैध आप्रवास सहित जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारणों का अध्ययन करना है। सीमा पार गतिविधियाँ, आर्थिक अवसर, नियोजित प्रवासन, असामान्य बसावट पैटर्न और सामाजिक- पर्यावरणीय कारकों की भूमिका का विश्लेषण करना है। समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर संरचनात्मक जनसंख्या परिवर्तनों का अध्ययन करेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ आँकड़े राष्ट्रीय प्रवृत्तियों से अलग दिखाई देते हैं। साथ ही इसे अवैध आप्रवासियों की कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए स्थायी संस्थागत ढाँचे की सिफारिश करने का कार्य भी सौंपा गया है।

साथियों सरकार की 3डी नीति,डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट–इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। डिटेक्ट का अर्थ है अवैध प्रवासियों की पहचान करना, डिलीट का अर्थ मतदाता सूची या सरकारी रिकॉर्ड से फर्जी नाम हटाना और डिपोर्ट का मतलब अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजना। सरकार का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ, नकली दस्तावेज, आतंक वित्तपोषण, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी गतिविधियों को इससे जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने सभी सीमाओं पर 360 डिग्री प्लान लागू करने की बात कही है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, केंद्रीय विभाग और राज्य सरकारें मिलकर काम करेंगी।हालाँकि इस पूरे मुद्दे का राजनीतिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वेस्ट बंगाल में चुनावों के दौरान बीजेपी ने अवैध घुसपैठ को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। पार्टी का आरोप रहा है कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध प्रवास के कारण जनसंख्या संतुलन और चुनावी राजनीति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे का राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए उपयोग करती है। आलोचकों का तर्क है कि जनसंख्या परिवर्तन केवल अवैध घुसपैठ का परिणाम नहीं होता; इसके पीछे रोजगार, शहरीकरण, आंतरिक पलायन, आर्थिक अवसर और सामाजिक गतिशीलता जैसे अनेक कारण भी होते हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले विस्तृत तथ्यात्मक अध्ययन आवश्यक है।इसी कारण नई समिति का गठन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकार इसे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का आधार बता रही है। समिति को एक वर्ष के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है और आवश्यकता पड़ने पर छह महीने का विस्तार भी दिया जा सकता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर सीमा प्रबंधन, नागरिक पहचान प्रणाली, जनसंख्या निगरानी और अवैध प्रवासियों की पहचान को लेकर बड़े प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं।

साथियों, इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकार और संवैधानिक संतुलन भी है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है जहाँ कानून का शासन सर्वोच्च माना जाता है। इसलिए किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों को परेशान न किया जाए और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। यही कारण है कि विशेषज्ञ बार-बार कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित किया जाता है तो उसके लिए पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया, अपील का अधिकार और दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक होगा।

साथियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन आज कई देशों के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों में सीमा सुरक्षा, अवैध आप्रवास और राष्ट्रीय पहचान को लेकर तीखी बहसें चल रही हैं। भारत में भी यही विमर्श अब अधिक संस्थागत और नीति-आधारित रूप लेता दिखाई दे रहा है। फर्क केवल इतना है कि भारत की स्थिति अत्यंत जटिल है, क्योंकि यहाँ विविध भाषाएँ, धर्म, संस्कृतियाँ और सीमाई चुनौतियाँ एक साथ मौजूद हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। एक पक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक संतुलन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष आशंका व्यक्त करता है कि इस मुद्दे का राजनीतिक और सांप्रदायिक उपयोग हो सकता है। आईएमडीटी एक्ट से लेकर आज की हाई-लेवल कमेटी तक की यात्रा यह दिखाती है कि भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न केवल आँकड़ों का विषय नहीं बल्कि संविधान, नागरिकता, मानवाधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल संतुलन से जुड़ा हुआ है। आने वाले समय में समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर उठाए जाने वाले कदम यह तय करेंगे कि भारत इस चुनौती का समाधान किस दिशा में खोजता है।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

'एक जिम्मेदारी ये भी'..

सुबह-शाम आंगन को सिंचना जरुरी नही है
गाडी को धो-धो कर चलाना,
इससे पेट्रोल की किमत तो नही घटती है
जब हमें मिल ही रहा है पानी आसनी से,
तो इसे बरबाद करना
हमारी मजबुरी भी नही है
बिलख रहे है वो लोग जिनको
पानी लाने दूर-दूर तक जाना पडता है
किमत तो वो समझते है,
जिनको पानी की प्यास बुझाने के लिए
पहले धूप मे जलना पडता है,
दूर कही तक चलना पडता है
हमारे लिये तो आसानी है,
कई तरह से मिल जाता ठंडा पानी है
वो कहा जाऐ जिनका कोई ठिकाना नही है,
पानी-पानी कर के मिट जाती जिनकी जिंदगानी है
वो नन्हे-नन्हे पंक्षी इस गर्मी मे,
तडप- तडप कर मर जाते है
5 मिनट जब लाइट चली जाये,
तब हम आग-बबुला हो जाते है
हमे आराम आसानी से मिल जाता है
सोचा है कभी उन
अनगीनत लोगो के बारे मे,
उनकी जिंदगी कैसे खत्म हो जाती है,
और हम पानी ऐसे खर्च करते है,
जैसे चिलचिलाती गर्मी मे
रोज सावन बरसते है
इस बात में समझदारी है,
पानी को व्यर्थ ना गवाना
ये हमारी जिम्मेदारी है..

लेखिका

छाया नानवटकर

श्रमिकों के प्रति..

श्रमिकों के प्रति
लोहे सा तन, सोने सा मन मेहनतकश मजदूरों का।
आभारी है विश्व हमारा,
मेहनतकश मजदूरों का।।
कड़ी धूप में नगर ग्राम में,
श्रम सीकर बरसाते जो ।
नव निर्माणों की आशा में,
भूखे ही सो जाते जो।।
प्रगति पथ पर मील का पत्थर,
मेहनतकश मजदूरों का।। आभारी..
खेतों और खानों में जिनका,
जीवन सारा कटता है।
जिन्हें देख चट्टानों का भी,
आज कलेजा फटता है।।
तूफानी रहता है सपना,
मेहनतकश मजदूरों का।। आभारी..
अनाचार, आतंक मिटाने,
इंकलाब जो लाते हैं।
अनुशासित रहकर जीवन में,
गीत खुशी के गाते हैं।।
शोषित मानवता को आश्रय,
मेहनतकश मजदूरों का।। आभारी..
संगठित रहकर जीने की,
बात सदा जो करते हैं।
लाठी और गोली खाकर भी,
कभी नहीं जो मरते हैं।।
एकता और विश्वास का बंधन,
मेहनतकश मजदूरों का।।

प्रणय श्रीवास्त 'अश्क'

तपती दोपहरी मे भी काम करते है

तपती दोपहरी मे भी काम करते है
मजदुर भला कब आराम करते है।
सदियों से हो रहे शोषण के शिकार
पर कब शिकायत वो आम करते है।
रोजी-रोटी से उनको फुर्सत ही कहां
ये कोई और है जो अल्ला-राम करते है।
मजदुर ने कभी नही बेचा ईमां अपना
वो तो बडे लोग है जो गंदा काम करते है।
पसीने के साथ खून
भी अपना बहा देते है
फिर भी कुछ लोग
उन्हें गुलाम करते है।
बहुत एनजीओ,बहुत
लोग है सरकार मे
पर वो कब मजदुर हित
मे काम करते है।
काम को बनाकर वो
लोग धरम अपना
इबादत संजय रोज,
सुबह-शाम करते है।

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट

शब्दवर्गपहेली क्र.- 177

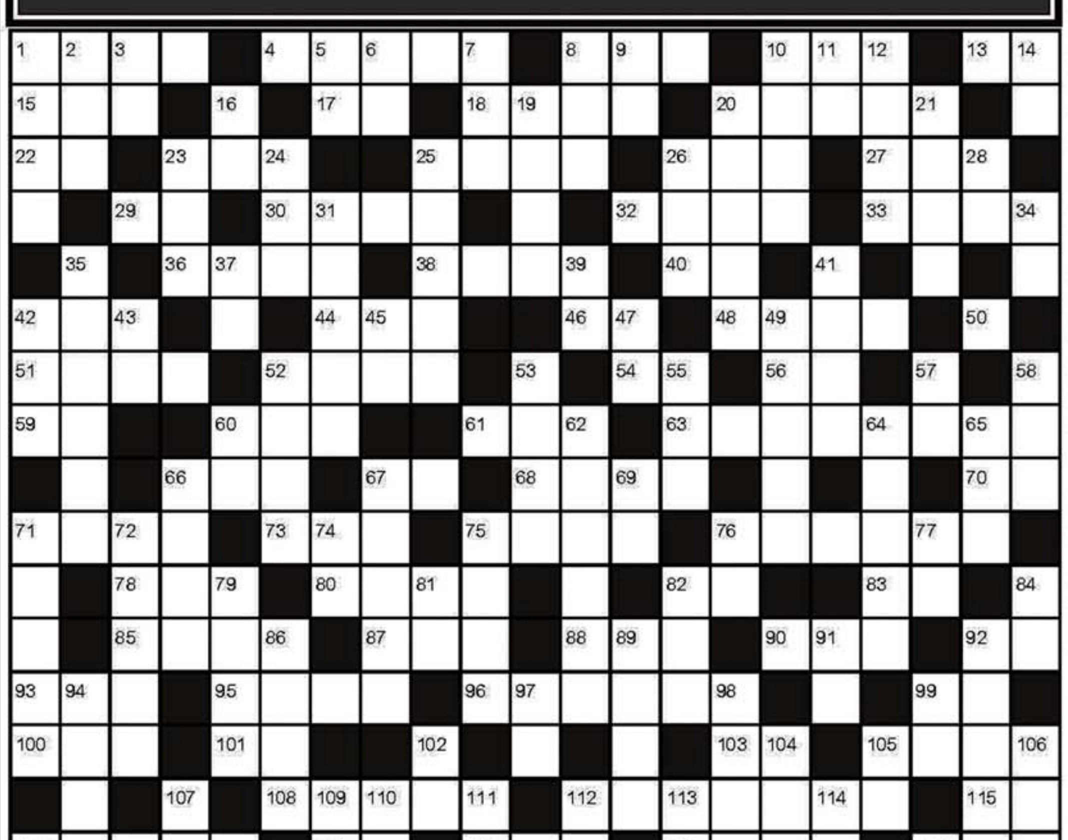

ck;! l; nk;! !& 1) खेद व्यक्त करना 4) स्टेनोग्राफर का हिन्दीकरण 8) सवेरा 10) निरपराध, बेगुनाह 13) श्रीरामजी के एक पुत्र 15) सर्वोच्च, अत्याधिक 17) बंदर 18) हिन्दी के एक प्रसिद्ध अंध कवि जो अनन्य कृष्णभक्त और अन्ध थे 20) साम्राज्य (उर्दू) 22) सन्देह 23) जलयान 25) संगीत में सात स्वरों का उतार चढ़ाव, जयाप्रदा की पहली फिल्म 26) सरस्वती 27) जो भारी न हो 29) महीना 30) राजा, सम्राट, सुलतान 32) मजबूत 33) बिदाई, प्रस्थान 36) चन्द्रमा, ओशो 38) नया आया हुआ 40) गीला 42) तैयार करना 44) पशु, ढोर 46) प्रत्येक 48) शांति, स्तब्धता 50) है का बहुवचन 51) वायुमंडल, शरीर आदि की उष्णता की मात्रा 52) वह कीचड़युक्त जमीन जिसपर पैर पड़ते ही धंस जाता है 54) ब्राह्मण 56) अहंकारी, मानयुक्त 59) विध्वंस, बरबाद 60) विष्णु का एक नाम 61) कलफ का अपभ्रंश रुप, कपड़े को कड़ा करने के लिये लगायी जानेवाली माडी 63) एक पुराने प्रसिद्ध फिल्मी गीतकार 66) अनुराग, लाड़–प्यार 67) प्रेम 68) परस्त्री 70) रहस्य 71) व्यक्ति का दुसरा नाम 73) थकावट 75) बलराम, श्रीकृष्ण के भाई का एक नाम 76) गिनती करना 78) कभी कभी,, जब तब 80) पुष्प रस 82) हुनर 83) पुत्र 85) परमेश्वर 87) वस्तु को तैयार करने में होनेवाला खर्च 88) ठंड़ा 90) विवाहिता 92) कामदेव की पत्नी 93) छल, धोखा, मिथ्या व्यवहार 95) आशय, अर्थ 96) जीवनयापन का स्तर 99) काव्य रचयिता 100) वास करना 101) मुसलमानों की मक्के की यात्रा 103) ईश्वर (उर्दू) 105) भेड़ बकरियां चरानेवाला 108) आपत्ति आना अर्थवाला एक मुहावरा 112) विशिष्ट अधिकारियों को असाधारण शौर्य के लिये भारत सरकार द्वारा दिया जानेवाला एक अलंकरण 115) शीर्ष, चोटी, सिर 116) गैरजरुरी 117) फुलों का हार 118) विषैला 119) किसी चीज का अभाव महसूस करना 120) मृत्यू होना

Åij ls uhps & 1) गाली 2) अंतर 3) देवता इस रस का पान करते थे 5) तोता 6) वर्ण या अक्षर के अंकित चिन्ह, लिखने की विविध पद्धतियां 7) अपराध 8) श्रीकृष्ण के ब्राह्मण बाल सखा 9) पर्याप्त 10) धनवान 11) धागा 12) मन को हरनेवाला 14) लाश 16) गणेशजी का वाहन 19) नस नस 20) सरदार की पत्नी 21) खड्ग 23) विष 24) मौखिक 25) सहिष्णु 26) विपत्ति 28) श्रवणेंद्रिय 31) गणित में भिन्न का एक भेद जिसमें हर में दस या उसका घात होता है 34) गाना 35) ऊलजलूल 37) पानी 39) परत 41) मक्खन 42) बतलाना 43) पत्र (उर्दू) 45) हमारे आदि ग्रंथ जिनकी संख्या चार है 47) सूरज 49) विष्णु 52) राजा जनक के समधी 53) क्षण क्षण 55) पहरेदार 57) डर 58) रोगी 60) एक फल 62) परदे में रहनेवाली स्त्री 64) सीता 65) प्राचीन 66) पूंछवाला 67) क्रान्ति (उर्दू) 69) नाई, नापित 71) शिव पार्वती 72) बेइज्जती होना अर्थवाला एक मुहावरा 74) कार्य 75) और भी बुरा 76) कंठ 77) लगा हुआ, लीन 79) पिता के पिता के पिता 81) वर्ण 82) झगड़ा 84) बुद्धि 86) रात को भजन कीर्तन में किया गया जागरण 89) चित्र 91) सीमा 92) रविवार 94) परिधान करना 97) जिद्दी 98) छत्रपति शिवाजी के सेनापती तानाजी के लिये प्रयुक्त एक उपाधि 99) हाथ 102) विलंब 104) वर्ष 105) पहिया 106) पराजित होना 107) प्राचीन चार जातियों (वर्णों) में से एक 109) एकत्र 110) शिकायत (उर्दू) 111) घमंड 112) बाल कथाओं में वर्णित पंखोवाली एक कल्पित स्त्री 113) विचार 114) एक अनाज (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

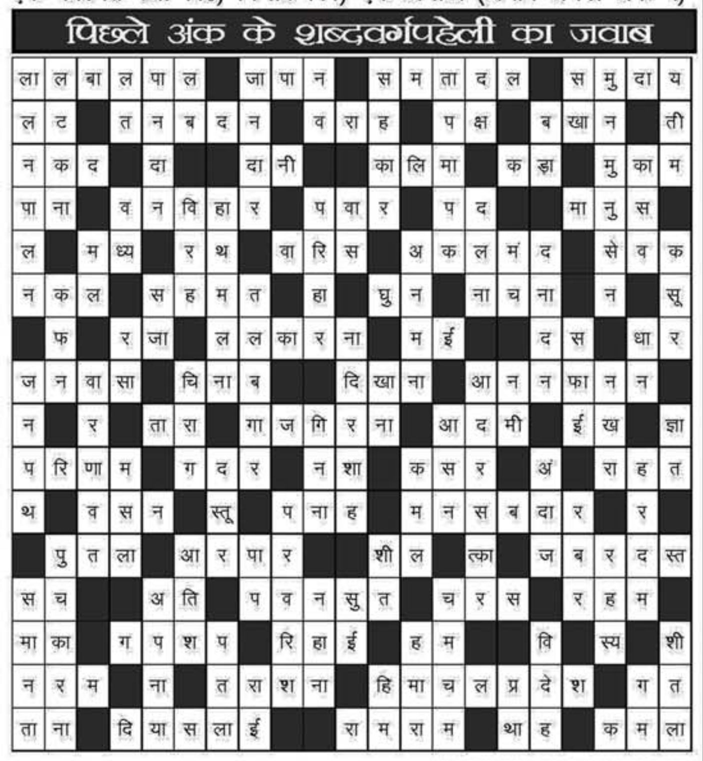

anumeya-08446302691

शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी सिनर फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में हारे..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

प्रबल दावेदार और शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी यानिक सिनर को फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में गर्मी से जूझना पड़ा जिससे वह बृहस्पतिवार को 56वीं रैंकिंग पर काबिज जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 से हार गए।

फरवरी से सिनर लगातार 30 मैच जीत रहे थे और उनसे उम्मीद थी कि वह यहां खिताब जीतकर अपने टेनिस करियर का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करेंगे, विशेषकर तब जब दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज दाहिनी कलाई में चोट लगने के कारण बाहर हैं। सिनर कई बार थकान के कारण क्ले कोर्ट पर झुक गए और चेंजओवर पर हाथ के पंखे से खुद को ठंडा करने की कोशिश की और अपनी गर्दन के चारों ओर बर्फ के बैग रखे।

मैच शुरू होने पर तापमान 29 डिग्री सेल्सियस था जो बढ़कर 32 सेल्सियस हो गया। जब मैच खत्म हुआ तो सेरुंडोलो ने ज्यादा जश्न नहीं मनाया, बस भीड़ की तरफ थोड़ा हाथ हिलाया। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में एलियट स्पिजिरी के खिलाफ भी सिनर को गर्मी में परेशानी हुई थी। सिनर पिछली बार 19 फरवरी को कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार गए थे। उन्होंने लगातार पांच मास्टर्स खिताब जीते और मुश्किल से कोई सेट गंवाया था। पिछले साल इसी कोर्ट फिलिप चैटरियर पर सिनर ने अल्काराज के खिलाफ तीन मैच अंक गंवाए और एक जबरदस्त फाइनल हार गए थे। वहीं फ्रांस के किशोर मोइज कौमे ने एडोल्फो डैनियल वैलेजो पर 6-3, 7-5, 3-6, 2-6, 7-6 (8) जीत से तीसरे दौर में पहुंचकर घरेलू प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया।

सत्रह साल के कौमे ने धूप में लगभग पांच घंटे तक चले मुकाबले में अपनी पकड़ बनाए रखी। उन्होंने पांचवें सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए निर्णायक टाईब्रेकर तक मैच को पहुंचाया और फिर टाईब्रेकर में भी 8-7 से पिछड़ने के बाद दोबारा वापसी की। जीत के बाद 318वीं रैंकिंग वाले कौमे भावनाओं से अभिभूत हो गए।

कौमे ने मंगलवार को पहले दौर में मारिन सिलिच को सीधे सेटों में हराया था और ऐसा करने के साथ ही वह 2008 या उसके बाद जन्मे पहले ऐसे पुरुष खिलाड़ी बन गए जिसने कोई ग्रैंड स्लैम मैच जीता हो। सिलिच ने 2014 का अमेरिकी ओपन खिताब जीता, दो अन्य बड़े टूर्नामेंट में उपविजेता रहे और 2022 में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मार्च में कौमे मियामी मास्टर्स के इतिहास में पहले दौर में मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने जिसके लिए उन्हें 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच से बधाई संदेश भी मिला।

मास्टरशेफ विनर पंकज भदौरिया को हुआ ब्रेस्ट कैंसर, अस्पताल से शेयर की तस्वीर, देख फैंस हुए परेशान..

डेस्क जगप्रेरणा।

सेलिब्रिटी शेफऔर मास्टरशेफइंडिया की विनर पंकज भदौरिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अस्पताल के बिस्तर से अपनी परेशान कर देने वाली एक तस्वीर शेयर की है।

इस तस्वीर को देखने के बाद से उनके फैंस हैरान है और वह अपनी हेल्थ को लेकर चर्चा में हैं। पंकज भदौरिया ने अस्पताल में भर्ती होने के पीछे की वजह बताते हुए, अपने फैंस से उनके लिए दुआ करने को कहा है। पंकज भदौरिया ने बताया है कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। 28 मई को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने चाहने वालों के साथ यह खबर शेयर की।

पंकज भदौरिया को हुआ ब्रेस्ट कैंसर..

ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने के बाद पंकज भदौरिया ने सभी से गुजारिश की कि वे उन्हें अपनी दुआओं में याद रखें और अपने चल रहे इलाज की एक झलक भी दिखाई। अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पंकज ने एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपनी बीमारी और अपनी हालत के बारे में बात की।

पंकज भदौरिया ने अस्पताल से शेयर की तस्वीर..

सेलिब्रिटी शेफ ने हॉस्पिटल के बेड से अपनी एक फोटो भी शेयर की। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मुझे ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। मुझे आपकी दुआओं और साथ की जरूरत है।'

कौन हैं पंकज भदौरिया?

पंकज भदौरिया सेलिब्रिटी शेफ बनने से पहले टीचर थीं, लेकिन उन्होंने अपने पैशन के चलते 16 साल पुराना टीचिंग करियर पीछे छोड़ दिया। पंकज दिल्ली की रहने वाली हैं और लखनऊ में वो इंग्लिश टीचर थीं। यह जानकारी उन्होंने मास्टरशेफ के दौरान शेयर की थी। वो सोशल मीडिया पर अपने कुकिंग रेसिपी और टिप्स शेयर भी करती रहती हैं।

विनेश को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ डब्ल्यूएफआई उच्चतम न्यायालय में..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ शुक्रवार को महासंघ की याचिका पर सुनवाई करेगी। 22 मई को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विनेश को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनके जैसी दिग्गज खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया गया।

उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की महासंघ द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग की जायेगी । इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ का एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद होगा। अदालत ने कहा था,'अपीलकर्ता (विनेश) को 30 और 31 मई 2026 को होने वाले एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाये।' अदालत ने कहा था कि चयन ट्रायल के लिए तय मानक अब तक के चलन से काफी अलग हैं। अब तक एशियाई खेलों के लिए मशहूर खिलाड़ियों के चयन में विवेक का इस्तेमाल करने की छूट थी। अदालत ने यह भी कहा कि कानून को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मातृत्व विनेश जैसी महिला एथलीटों को बाहर करने का आधार न बने।

अदालत ने एकल न्यायाधीश की पीठ द्वारा 18 मई को विनेश को चयन ट्रायल में भागीदारी के मसले पर अंतिम राहत नहीं दिये जाने के बाद दायर विनेश की याचिका पर फैसला सुनाया था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने साइ और आईओए के केंद्र द्वारा नामित दो स्वतंत्र पर्यवेक्षकों से एकल न्यायाधीश की पीठ के समक्ष रिपोर्ट जमा करने के लिये कहा था। विनेश ने उच्च न्यायालय में दायर याचिका में डब्ल्यूएफआई की चयन नीति और सर्कुलर को चुनौती दी थी जिसमें कुछ टूर्नामेंटों में पदक विजेता ही एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग ले सकते हैं । विनेश ने कहा था कि डब्ल्यूएफआई द्वारा चुनी गई 'क्वालीफिकेशन विंडो' काफी हद तक उनकी गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के बाद ली गई छुट्टी के समय से मेल खाती थी जिससे एक 'बंद और गैर लचीली गेट कीपिंग व्यवस्था' बन गई जो मनमानी और भेदभावपूर्ण थी। इस महीने की शुरूआत में डब्ल्यूएफआई ने विनेश को 26 जून तक किसी घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने से यह कहकर अयोग्य करार दिया था कि डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिये उन्होंने छह महीने का अनिवार्य नोटिस पूरा नहीं किया है ।

विनेश उत्तर प्रदेश के गोंडा में राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने पहुंची थी। विनेश ने 2023 में डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर महिला पहलवानों के धरने में भाग लिया था । उन्हें पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किलो वर्ग के फाइनल के दिन निर्धारित भारवर्ग से सौ ग्राम वजन अधिक पाये जाने के कारण अयोग्य करार दिया गया था जिसके बाद उन्होंने कुश्ती से संन्यास का ऐलान किया था ।

लता मंगेशकर का सालों पुराना रोमांटिक गाना, आज भी है लोगों का पसंदीदा, देव आनंद और साधना की जोड़ी ने बनाया दिया यादगार..

डेस्क जगप्रेरणा।

दम मारो दम, पल पल दिल के पास, रश्के कमर और चुनरी चुनरी जैसे गानों के ओरिजिनल वर्जन आज भी अपने धून, शब्दों और बंया करने के तरीके के लिए पसंद किए जाते हैं। ऐसे में कई बार इन सुपरहिट गानों का रीमेक्स भी बनाता है, लेकिन लोगों को पसंद नहीं आता है।

हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'बीवी नंबर वन' का पॉपुलर गाना 'चुनरी चुनरी' भी 'है जवानी तो इश्क होना है' के लिए रीक्रिएट किया गया था, जो किसी को भी पसंद नहीं आ रहा है। दूसरी ओर हिंदी सिनेमा के कुछ गाने इतने बेहतरीन है कि उन्हें कभी भी सुना जाता है। आज हम उसी सदाबहार गाने के बारे में बात कर रहे हैं। ये रोमांटिक गाना देव आनंद और साधना पर फिल्माया गया है, जिसे लता मंगेशकर ने गाया है।

लता मंगेशकर की आवाज ने इस गाने को बनाया यादगार..

आज के दौर में जो भी गाने रिलीज हो रहे हैं, उनमें से कुछ ही लोगों को याद रहते हैं। लेकिन आज हम उस पुराने रोमांटिक गाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी हर लाइन आपके दिल को छू जाएगी। इस गाने का नाम है 'तेरा मेरा प्यार अमर'। इस गाने में प्यार से जुड़े इमोशंस, मधुर संगीत, खूबसूरत शाम और चांद दिखाया गया है, जिसका हर सीन आपकी आंखों में बस जाएगा। यही वजह है कि कई दशक बीत जाने के बाद भी ये गाने लोगों की प्लेलिस्ट का में अपनी जगह बनाए हुए है, जिसे लोग 64 साल से सुनते आ रहे हैं। ये गाना आप शेमारू फिल्मी गाने पर सुन सकते हैं, जिसका रनटाइम 3 मिनट 54 सकेंड है।

लता मंगेशकर ने गाए 3 हिट गाने..

1962 में रिलीज हुई फिल्म 'असली नकली' में तेरा मेरा प्यार अमर गाना है। इस फिल्म के कई गाने आज भी लोगों के पसंदीदा बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए लता मंगेशकर ने दो और गाने गाए थे, जो आज भी फेमस है। 'लाख छुपाओ छुप ना सकेगा' और 'तुझे जीवन की डोर से' है। 'असली नकली' फिल्म का निर्माण एल बी लछ्मन और एल बी ठाकुर ने किया था। फिल्म का निर्देशन हृषिकेश मुखर्जी ने किया है। इस फिल्म को **IMDb** पर 7.6 रेटिंग मिली और आप इसे ओटीटी पर प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ये फिल्म उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

आईपीएल में नहीं मिला एक भी मौका, जाते ही ठोक दी धमाकेदार सेंचुरी...

डेस्क जगप्रेरणा।

आईपीएल में जिस खिलाड़ी को टीम ने पूरे सीजन बिठाए रखा और एक भी मैच खेलने का मौका नहीं दिया, उसे यहां से जाते ही इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाकेदार शतक ठोक दिया है। इसके अलावा टीम की ओर से एक और शतक आया।

ये दोनों शतक टेस्ट क्रिकेट में आए हैं। दोनों बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड की ओर से खेलते हुए आयरलैंड के खिलाफ ये पारियां खेली।

न्यूजीलैंड और आयरलैंड के बीच खेला जा रहा है टेस्ट मुकाबला..

न्यूजीलैंड और आयरलैंड के बीच टेस्ट मुकाबला शुरू हो चुका है। मैच के पहले ही दिन न्यूजीलैंड ने जबरदस्त बल्लेबाजी की, इसमें दो बल्लेबाजों के शतक भी आए। जब टीम की बल्लेबाजी के लिए उतरी तो सलामी बल्लेबाज और कप्तान टॉम लैथम शून्य पर आउट होकर वापस चले गए। दूसरे ओपनर ड्वोन कॉन्वे भी चार रन बनाकर आउट हो गए। पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी ज्यादा देर तक रुक नहीं पाए और 36 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद रचिन रवींद्र और टॉम ब्लंडेल ने कमान संभाली।

रचिन रवींद्र ने लगाया आयरलैंड के खिलाफ शतक..

रचिन रवींद्र ने 194 बॉल पर 121 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 4 छक्के ठोके। रचिन रवींद्र इस साल के आईपीएल में केकेआर यानी कोलकाता नाइट राइडर्स के हिस्सा थे। टीम की हालत लगातार पतली रही, लेकिन इसके बाद भी रचिन रवींद्र को टीम ने एक भी मैच की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं दिया। जबकि उन्हें टीम ने दो करोड़ रुपये खर्च कर अपने पाले में किया था। इससे पहले वे सीएसके के लिए आईपीएल खेल रहे थे।

टॉम ब्लंडेल के बैट से भी आई सेंचुरी..

उनके अलावा नंबर छह पर बल्लेबाजी के लिए उतरे टॉम ब्लंडेल ने भी अपना सैकड़ा पूरा किया। टॉम ब्लंडेल ने 233 बॉल पर 142 रनों की पारी खेली। इसमें 18 चौके और दो छक्के शामिल रहे। अभी वे नाबाद बने हुए हैं। जब पहले दिन का खेल खत्म हुआ, तब न्यूजीलैंड ने पांच विकेट के नुकसान पर 361 रन बना लिए थे। इस तरह से टीम ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी।

आईसीसी रैंकिंग में जुड़ेगा खिलाड़ियों का प्रदर्शन..

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है। वैसे तो इस वक्त सभी टेस्ट डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होते हैं, लेकिन आयरलैंड की टीम इससे बाहर है,

इसलिए ये मैच उसका हिस्सा नहीं है। हालांकि इस मैच के प्रदर्शन के अंक आईसीसी रैंकिंग में जोड़े जाएंगे। जब अगले साल रैंकिंग आएगी तो उसमें इस मैच का असर देखने के लिए मिलेगा।

मशहूर शायर बशीर बद्र का निधन, 91 की उम्र में कहा दुनिया को अलविदा, आखिरी दिनों में भूल गए थे खुद के शेर..

डेस्क जगप्रेरणा।

उर्दू अदब और आधुनिक गजल के सबसे चमकदार सितारे डॉ बशीर बद्र साहब ने 91 वर्ष की उम्र में इस फानी दुनिया को अलविदा कह दिया। बशीर बद्र को गज़ल विधा में ठेठ, सरल और बेहद रूमानी शब्दों को पिरोने के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

उन्होंने उर्दू शायरी को किताबी संजीदगी और भारी-भरकम शब्दों के दायरे से बाहर निकाला और उसे आम आदमी की बोलचाल का हिस्सा बनाया। साहित्य के क्षेत्र में उनके इसी ऐतिहासिक और बेमिसाल योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 'पद्मश्री' जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से नवाजा था।

उनके जाने की खबर से देश-विदेश में मौजूद उनके लाखों प्रशंसकों और चाहने वालों में मायूसी छा गई है। जीवन के अंतिम दौर में वे डिमेंशिया के कारण अपनी याददाश्त खो चुके थे, लेकिन उनकी यादों को ज़िंदा रखते हुए उनकी पत्नी आज भी उन्हें बेहद धैर्यपूर्वक उनकी ही लिखी कविताएँ और शेर सुनाया करती थीं।

एएमयू से शुरू हुआ सफर और मेरठ का वो गहरा जख्म..

15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जन्मे बशीर बद्र का तालीमी सफर बेहद शानदार रहा। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से अपनी उच्च शिक्षा और पीएचडी की डिग्री पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने इसी विश्वविद्यालय में उर्दू के प्रोफेसर के रूप में लंबे समय तक अपनी सेवाएं भी दीं। मोहब्बत और इंसानी जज्बातों के खूबसूरत तराने लिखने वाले बद्र साहब को जिंदगी ने कई गहरे और अमिट जख्म भी दिए। साल 1987 में मेरठ में हुए भीषण सांप्रदायिक दंगों के दौरान नफरत की आग ने उनके हंसते-खेलते घर को खाक कर दिया था। इस भयानक त्रासदी में न सिर्फ उनका मकान जला, बल्कि उनकी सालों की मेहनत और कई अनमोल अप्रकाशित रचनाएं भी हमेशा के लिए राख की ढेरी में तब्दील हो गईं। इस हादसे के गहरे दर्द और सदमे के बाद उन्होंने मेरठ छोड़ दिया और हमेशा के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल आकर बस गए।

जब शिमला समझौते में गूंजा बद्र साहब का शेर..

बशीर बद्र की कलम में वो जादुई ताकत थी जो दो मुल्कों के बीच की कड़वाहट और फासलों को कम करने का माद्दा रखती थी। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के दर्द और दोनों देशों के रिश्तों पर उन्होंने जो कुछ भी लिखा, वो आज इतिहास के पन्नों में दर्ज है। उनकी इस राजनीतिक और कूटनीतिक प्रासंगिकता का सबसे बड़ा उदाहरण साल 1972 के ऐतिहासिक शिमला समझौते के दौरान देखने को मिला था। तब भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिक्रार अली भुट्टो का स्वागत करते हुए कूटनीति के गलियारों में बशीर बद्र का ही एक मशहूर शेर सुनाया था, जिसने दोनों देशों के बीच संवाद की एक नई राह खोली थी। भले ही बद्र साहब आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी गज़लें और शेर हमेशा जिंदा रहेंगे।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

केंद्र ने दक्षिणी राज्यों से विधिक माप में जन विश्वास सुधारों को तेजी से लागू करने को कहा

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्र ने दक्षिणी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से विधिक माप अधिनियम, 2009 के तहत शुरू किए गए सुधारों को जल्द से जल्द लागू करें।

उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में कहा कि जहां एक ओर ईमानदार व्यवसायों और व्यापारियों का समर्थन करने के लिए प्रक्रियात्मक अनुपालन को सरल बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विधिक माप ढांचे के तहत धोखाधड़ी, छेड़छाड़ और उपभोक्ता हितों को प्रभावित करने वाले उल्लंघनों के खिलाफसख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मंत्रालय ने बयान में कहा, ''इन सुधारों का उद्देश्य एक पारदर्शी, आधुनिक और संतुलित नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो कारोबार सुगमता और उपभोक्ता संरक्षण, दोनों को बढ़ावा दे।'' चर्चा के दौरान, राज्यों से अनुरोध किया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि ''लाइसेंसिंग'' से ''पंजीकरण'' की ओर होने वाला बदलाव वास्तव में एक विश्वास-आधारित और सहायक नियामक प्रणाली को दर्शाता हो।

इस बात पर जोर दिया गया कि निर्धारित दस्तावेज जमा करने पर बिना किसी अनावश्यक देरी या पहले से किए जाने वाले निरीक्षण के पंजीकरण अपने आप मिल जाना चाहिए।''

मंत्रालय ने जन विश्वास सुधारों के तहत हाल ही में शुरू की गई 'सुधार नोटिस' व्यवस्था के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की।

इस प्रावधान के तहत, विधिक माप अधिनियम की विशिष्ट धाराओं के तहत पहली बार होने वाले प्रक्रियात्मक उल्लंघनों पर, कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से पहले एक 'सुधार नोटिस' जारी किया जाएगा।

इस सुधार का उद्देश्य स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करना, मुकदमों को कम करना और उपभोक्ता हितों की रक्षा करते हुए कारोबार सुगमता को बेहतर बनाना है।

सरकारी-अनुमोदित परीक्षण केंद्रों (जीएटीसी) के विस्तार के संबंध में, मंत्रालय ने कहा कि राज्यों से अनुरोध किया गया है कि वे संशोधित विधिक माप ढांचे के अनुरूप अपने प्रवर्तन नियमों और जीएटीसी नियमों में संशोधन की प्रक्रिया को तेज करें। बयान में आगे कहा गया कि बैठक में भाग लेने वाले राज्यों ने बताया कि संशोधित नियमों का मसौदा तैयार करने और उन्हें मंजूरी देने का काम अब अंतिम चरण में है और उम्मीद है कि इन्हें जल्द ही अधिसूचित कर दिया जाएगा।

मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने जीएटीसी नियमों को जल्द से जल्द अधिसूचित करें और जीएटीसी व्यवस्था के तहत आने वाले उपकरणों के दायरे का विस्तार करें।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि तकनीकी क्षमता को मजबूत करने और सुधारों के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता के लिए, विधिक माप अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय विधिक माप संस्थान (आईआईएलएम), रांची के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे।

अगले एक साल में वैश्विक वृद्धि कमजोर पड़ने की आशंका, भारत मजबूती से खड़ा: डब्ल्यूईएफसर्वे..

नई दिल्ली, (भाषा)।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले एक वर्ष में वैश्विक आर्थिक वृद्धि कमजोर पड़ने की आशंका है, जबकि भारत मजबूत वृद्धि संभावनाओं वाले देशों में सबसे आगे बना हुआ है।

दुनियाभर के मुख्य अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है।

सर्वे में करीब 90 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक वृद्धि में गिरावट की आशंका जताई है, जबकि 13 प्रतिशत ने वैश्विक मंदी का अनुमान जताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 94 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति प्रभावित होने से अगले एक वर्ष में महंगाई बढ़ सकती है। इसका कारण पश्चिम एशिया में तनाव और व्यापार मार्गों में बाधाएं हैं।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत और अमेरिका अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में बने रह सकते हैं, जिन्हें घरेलू मांग और निवेश का समर्थन मिलेगा।

सर्वे में होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने को पिछले वर्ष के शुल्क संकट की तुलना में अधिक बाधक माना गया है।

अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि यदि यह स्थिति वर्ष की दूसरी छमाही तक जारी रहती है तो इसका प्रभाव कोविड-19 महामारी जैसी गंभीरता तक पहुंच सकता है जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा और खाद्य लागत पर व्यापक असर पड़ेगा।

डब्ल्यूईएफकी प्रबंध निदेशक सादिया जाहिदी ने कहा, ÷यह गतिरोध जितना लंबा चलेगा, उतनी ही अधिक दीर्घकालिक लागत उन लोगों पर पड़ेगी जो इसका बोझ उठाने में सबसे कम सक्षम हैं।÷

रिपोर्ट कहती है कि इस संकट का सबसे अधिक असर पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका पर पड़ने की आशंका है, जबकि भारत और अमेरिका अपेक्षाकृत मजबूत बने रह सकते हैं।

भारत के बारे में खास तौर पर कहा गया है कि इसकी वृद्धि संभावनाएं लगातार मजबूत बनी हुई हैं।

सर्वे में शामिल 52 प्रतिशत अर्थशास्त्री भारत में मजबूत या बहुत मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन वाला देश बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था 2026-27 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, हालांकि पश्चिम एशिया संकट के चलते जोखिम बने हुए हैं।

डब्ल्यूईएफने कहा कि बड़े उभरते बाजारों में भारत पैमाने, वृद्धि और संभावनाओं का सबसे स्पष्ट मिश्रण प्रस्तुत करता है।

रिपोर्ट कहती है कि भारत ने व्यापार और पूंजी प्रवाह के रास्ते लगातार खोले हैं, सक्रिय आर्थिक नीति अपनाई है और बाजार पहुंच का विस्तार किया है। हालांकि, वैश्विक जोखिम बढ़ रहे हैं और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव प्रमुख चिंता बना हुआ है।

कोयला गैसीकरण-आधारित यूरिया उत्पादन के लिए नई नीति को जल्द अंतिम रूप : अधिकारी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार कोयला गैसीकरण-आधारित यूरिया उत्पादन के लिए एक नई नीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है और यह एक महीने के भीतर तैयार हो जाएगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते

हुए इस बात पर बल दिया कि यह कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा और विदेशी मुद्रा की बचत करेगा क्योंकि देश, आयातित प्राकृतिक गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है। सरकार की कोयला गैसीकरण योजना को बढ़ावा देने के लिए यहां आयोजित रोडशो के दौरान एक अधिकारी ने कहा, ''हम कोयला गैसीकरण-आधारित यूरिया उत्पादन के लिए अपनी नई नीति बनाने की प्रक्रिया में हैं और इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एक महीने के भीतर हम इसके लिए तैयार हो जाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''चूंकि यह सरकार का सुनिश्चित काम है और हम प्राकृतिक गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं–जिसमें से 25 प्रतिशत विभिन्न देशों से आयात की जाती है–इसलिए आत्मनिर्भरता और सरकारी खजाने के मामले में यह हमारे लिए ज्यादा फायदेमंद होगा।''

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि रसायन और उर्वरक मंत्रालय कुछ समय से नई यूरिया नीति पर काम कर रहा है। मौजूदा हालात को देखते हुए अब इस काम में तेजी लाई गई है। उन्होंने बताया, ''कोयला मंत्रालय की ओर से सुझाव दिया गया था कि नई यूरिया नीति में 'कोयला गैसीकरण से यूरिया' बनाने की प्रक्रिया को भी शामिल किया जाना चाहिए। यह नीति अब बहुत ही उन्नत चरण में है और एक महीने के भीतर पूरी हो जानी चाहिए।''

कोयला गैसीकरण-आधारित यूरिया उत्पादन प्रक्रिया में कच्चे कोयले और पेट कोक को उच्च तापमान पर ऑक्सीकरण के ज़रिये 'सिनगैस' (हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड) में बदला जाता है। इस हाइड्रोजन को हवा से मिलने वाली नाइट्रोजन के साथ मिलाकर अमोनिया बनाया जाता है, और फिर इस अमोनिया की कार्बन डाइऑक्साइड के साथ प्रतिक्रिया करवाकर यूरिया तैयार किया जाता है।

यह प्रक्रिया यूरिया उत्पादन के लिए कच्चे माल (फीडस्टॉक) के तौर पर प्राकृतिक गैस की जगह कोयले का इस्तेमाल करती है, जिससे आयात पर हमारी निर्भरता कम होती है।

कोयला गैसीकरण के क्षेत्र में काम करने वाली एक घरेलू कंपनी ने पहले सरकार को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया था कि कोयला-आधारित यूरिया परियोजनाओं को गैस-आधारित संयंत्रों के बराबर दर्जा दिया जाए। इसमें यूरिया की खरीद की उचित गारंटी देने वाले तंत्र को लागू करना और कोयला गैसीकरण मार्ग के लिए उत्पादन क्षमता का एक निश्चित हिस्सा आरक्षित करना शामिल था।

यह अनुरोध ऐसे समय में सामने आया है जब सरकार यूरिया उत्पादन के लिए कच्चे माल के स्रोतों में विविधता लाने, आयातित प्राकृतिक गैस पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ गैसीकरण तकनीकों का इस्तेमाल करके भारत के विशाल घरेलू कोयला भंडारों का सदुपयोग करने के अपने व्यापक प्रयासों को आगे बढ़ा रही है।

सरकार को लिखे एक पत्र में, महाराष्ट्र की एक कंपनी–न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन– ने कहा कि कोयला-आधारित यूरिया परियोजनाओं को गैस-आधारित संयंत्र के बराबर दर्जा दिया जाना चाहिए।

न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की योजना महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले के भद्रावती में 12.7 लाख टन की कोयला गैसीकरण-आधारित यूरिया परियोजना स्थापित करने की है।

महाराष्ट्र प्याज उत्पादक संघ ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की..

मुंबई, (भाषा)।

महाराष्ट्र में प्याज उत्पादकों ने सरकारी एजेंसियों नेफेड और एनसीसीएफद्वारा की जा रही खरीद प्रक्रियाओं में पूरी पारदर्शिता की मांग की है। साथ ही, उन्होंने उन किसानों के लिए तत्काल राहत और मुआवज़े की भी मांग की है,

जिन्हें पिछले कई महीनों से अपनी उपज बहुत कम कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में, महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के संस्थापक-अध्यक्ष भरत दिघोले ने 'भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन महासंघ' (नेफेड) के माध्यम से की जा रही प्याज खरीद को लेकर कई सवाल उठाए।

संगठन ने पूछा कि नेफेड ने नासिक जिले और महाराष्ट्र के अन्य प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों की विभिन्न बाजार समितियों से वास्तव में कितनी प्याज की खरीद की है।

संगठन ने यह भी मांग की कि खरीद प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, एजेंसी किसानों से खरीदे गए प्याज के बारे में नाम, पते और मात्रा का विवरण प्रतिदिन सार्वजनिक रूप से जारी करे।

किसानों के इस संगठन ने यह भी सवाल उठाया कि क्या खरीद प्रक्रियाएं वास्तव में सभी प्रमुख प्याज उत्पादक जिलों में चलाई जा रही हैं, या फिर इनका लाभ केवल एक सीमित वर्ग तक ही पहुंच रहा है।

बयान में आरोप लगाया गया कि महाराष्ट्र भर में प्याज उत्पादकों को कई महीनों तक अपनी उपज उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि संकट के इस दौर में सरकारी एजेंसियां निष्क्रिय बनी रहीं।

बयान में कहा गया, ÷जिन किसानों ने इस साल की शुरुआत में अपना प्याज बहुत ही कम कीमतों पर बेचा था, उन्हें मौजूदा खरीद दरों (1580 रुपये प्रति क्विंटल) के अनुपात में मुआवजा या सब्सिडी के रूप में आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए।÷

संगठन ने इस बात पर भी चिंता जताई कि क्या 'भरतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ' (एनसीसीएफ)–जिसे नेफेड के साथ मिलकर प्याज खरीद का लक्ष्य सौंपा गया था–ने वास्तव में ज़मीनी स्तर पर खरीद प्रक्रियाएं शुरू की हैं या नहीं।

किसानों के इस संगठन ने मांग की कि नेफेड और एनसीसीएफ खरीद से संबंधित दैनिक विवरण ऑनलाइन प्रकाशित करें। इन विवरणों में बाजार-वार खरीदी गई प्याज की मात्रा, लाभान्वित किसानों की संख्या और खरीद दरें शामिल होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के संदेह को दूर किया जा सके और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

संगठन ने प्याज उत्पादकों के लिए एक स्थायी 'मूल्य सुरक्षा तंत्र' स्थापित करने की भी मांग की। उनका कहना है कि निर्यात पर प्रतिबंध, निर्यात शुल्क और बाजार में हस्तक्षेप जैसे अचानक लिए गए नीतिगत निर्णयों के कारण किसानों को हर साल भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

इसके अलावा, संगठन ने प्याज उत्पादकों के सामने मौजूद मौजूदा संकट को हल करने के लिए मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाने की भी मांग की।

ओडिशा, महाराष्ट्र के बाद केंद्र ने अन्य राज्यों से कोयला गैसीकरण को प्रोत्साहन देने को कहा

नई दिल्ली, (भाषा)।

ओडिशा और महाराष्ट्र के कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य-स्तरीय प्रोत्साहन योजनाओं की शुरुआत करने के बाद केंद्र सरकार अब छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और असम जैसे अन्य प्रदेशों को भी इसी तरह की योजनाएं लागू करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

यह घटनाक्रम पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक तनाव के कारण ईंधन बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने संबंधी योजना के रोड शो में कहा, ''हमने राज्यों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत की है। उनमें से कुछ राज्यों ने यह समझने में सक्रियता दिखाई है कि कोयला गैसीकरण ही भविष्य है और उन्हें राज्य स्तर पर ऐसे प्रोत्साहनों का खाका तैयार करने की आवश्यकता है जो उद्योग को बड़े पैमाने पर कोयला गैसीकरण परियोजनाएं स्थापित करने के लिए आकर्षित और प्रोत्साहित कर सकें।÷

उन्होंने कहा कि ओडिशा और महाराष्ट्र सरकारों ने इस दिशा में सक्रिय पहल की है और वहां योजनाएं लागू कर दी गई हैं।

दत्त ने कहा कि केंद्र सरकार की नई योजना के तहत संयंत्र और मशीनरी पर पूंजीगत सहायता दी जाएगी, जबकि राज्य स्तरीय प्रोत्साहन योजनाएं इन परियोजनाओं की परिचालन लागत कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

उन्होंने कहा, ''राज्यों के साथ हमारी बातचीत काफी सक्रिय है। हमें लगता है कि छत्तीसगढ़ में प्रोत्साहन योजना पर काम अंतिम चरण में है। मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश के साथ भी इस विषय पर चर्चा की गई है।''

कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और असम जैसे राज्यों के साथ लगातार बातचीत कर रही है ताकि वे भी कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय योजनाएं लागू करें।

उन्होंने कहा, ''हम राज्य सरकारों से लगातार बात कर रहे हैं... हमें उम्मीद है कि ये राज्य भी जल्द ऐसी प्रोत्साहन योजनाएं लेकर आएंगे।''

बीते वित्त वर्ष में विज्ञापन नियमों के उल्लघन के 97 प्रतिशत मामले डिजिटल मंचों पर: एएससीआई

मुंबई, (भाषा)।

विज्ञापन क्षेत्र की स्व-नियामक संस्था 'भारतीय विज्ञापन मानक परिषद' (एएससीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल विज्ञापनों में से 97 प्रतिशत से अधिक विज्ञापन नए जमाने के डिजिटल मीडिया पर देखे गए। संस्था के अनुसार, अकेले सोशल मीडिया दिग्गज 'मेटा' की इन विवादित या दोषपूर्ण विज्ञापनों में करीब 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही।

एएससीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल 9,611 विज्ञापन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। इनमें से सर्वाधिक 97.36 प्रतिशत विज्ञापन डिजिटल मंच पर, 2.04 प्रतिशत टेलीविजन पर और 0.26 प्रतिशत विज्ञापन प्रिंट मीडिया में जारी किए गए

डिजिटल मंचों पर नियमों का उल्लंघन करने वाले विज्ञापनों में से 79.84 प्रतिशत अकेले 'मेटा' पर प्रसारित किए गए, जो फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय मंच संचालित करती है।

वहीं दूसरी ओर, यूट्यूब का संचालन करने वाली कंपनी 'गूगल' की इस तरह के विज्ञापनों में हिस्सेदारी केवल 3.59 प्रतिशत रही। इसके अलावा, एएससीआई के कोड का उल्लंघन करने वाले डिजिटल विज्ञापनों में विभिन्न वेबसाइट की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत से अधिक रही।

एएससीआई के चेयरमैन सुधांशु वत्स ने कहा, ÷हम विज्ञापनों में बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने, झूठी वैज्ञानिक प्रामाणिकता दिखाने, इन्फ्लूएंसर्स (सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले लोगों) के जरिये विज्ञापनों को बढ़ावा देने और नियमों के उल्लंघन को एक आम बात मानने की बढ़ती प्रवृत्ति देख रहे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि विज्ञापनों से जुड़ी शिकायतों के यह आंकड़े विज्ञापन जगत की उस स्थिति को दर्शाते हैं, जो तीव्र प्रतिस्पर्धा, गति और डिजिटल विस्तार के कारण तेजी से बदल रही है।

जग प्रेरणा

देश विदेश

● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मु कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है.. संपर्क - 9329033433

पाकिस्तान में दिनदहाड़े हो गया बहुत बड़ा कांड, अज्ञात हमलावरों ने 5 लोगों को गोलियों से भूना..

डेस्क जगप्रेरणा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने 5 लोगों को दिनदहाड़े गोलियों से भून दिया, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। ARY न्यूज के मुताबिक, बलूचिस्तान के हरनाई जिले के शहराग

इलाके में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने स्थानीय लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग कर 5 लोगों की हत्या कर दी। इस घटना में 3 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, हथियारबंद लोगों ने शेख मूसा बाबा चौक के पास एक अस्थायी चौकी बना रखी थी और वहां से गुजरने वाले लोगों के कम्प्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र यानी कि **CNIC** की जांच कर रहे थे।

भीड़ पर चला दीं अंधाधुंध गोलियां..

बताया जा रहा है कि इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने जांच का विरोध किया, जिसके बाद हमलावरों और लोगों के बीच बहस हो गई। देखते ही देखते बंदूकधारियों ने भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। घटना में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने क्वेटा ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान जमान शाह, जिया-उल-हक, अब्दुल काहिर, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता मौलवी जाहिद शाह और इकरामुल्लाह शाह के रूप में हुई है। घायलों में नासिर शाह, मुल्ला समद और साकिब शाह शामिल हैं।

कराची में नवविवाहित दंपती की हत्या..

इससे पहले सोमवार को कराची में एक नवविवाहित जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हमला उस समय हुआ जब दंपती अदालत से अपनी शादी को कानूनी मान्यता दिलाने के बाद लौट रहा था। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, दंपती जैसे ही अदालत से निकला, हमलावरों ने उनकी गाड़ी का पीछा किया और सऊदाबाद इलाके में आरसीडी मैदान के पास उन्हें रोक लिया। इसके बाद बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। कोरंगी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिदा हुसैन जनवारी ने बताया कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार से बगावत करके की थी शादी..

पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला के परिजन इस हत्या में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले महिला के परिवार ने उसके लापता होने की शिकायत सचल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने परिवार के विरोध के बावजूद अपनी मर्जी से शादी की थी। उसने मलिर कोर्ट में बयान देकर कहा था कि उसने अपनी इच्छा से विवाह किया है। दंपती ने अदालत में अपना निकाहनामा भी पेश किया था, ताकि शादी को कानूनी साबित किया जा सके। पुलिस अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में महिला के रिश्तेदारों की संलिप्तता सामने आई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरदोई में बिना अनुमति बुद्ध की प्रतिमा लगाने पर विवाद, पथराव के बाद 11 गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में कोतवाली बेनीगंज क्षेत्र के ग्राम महुआकोला में बिना अनुमति भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर हुए विवाद के बाद पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर 11 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बेनीगंज थाना क्षेत्र में कथित तौर पर बाहरी लोगों द्वारा पुत्ती लाल की जमीन पर बने मंदिर में भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापित की जा रही थी, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बातचीत शुरू की। इसी दौरान कुछ लोगों ने एक पक्ष को उकसाया, जिसके बाद एक पक्ष ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर पथराव शुरू कर दिया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि कोतवाली बेनीगंज के महुआकोला गांव में पुत्ती लाल मौर्य अपने 25 साथियों के साथ प्रशासन की अनुमति के बिना प्रतिमा स्थापित कर रहे थे, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की टीम और पुलिस ने बुधवार सुबह मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास किया। पूर्वाह्न 11 बजे से रात 10 बजे तक बातचीत चलती रही, इस दौरान गांव के लोगों के अलावा लखनऊ से आए बौद्ध धर्म के तीन अनुयायी और अन्य लोग भी मौजूद थे। जिलाधिकारी के अनुसार, रात में भीड़ अचानक उग्र हो गई और टीम पर पथराव कर दिया। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पथराव में एक पुलिसकर्मी और एक महिला आरक्षी घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोथावां में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस की ओर से 38 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वहीं, ग्रामीण अरविंद मौर्य की शिकायत पर दर्ज दूसरी प्राथमिकी में कहा गया है कि बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने से आक्रोश फैल गया। इसमें राजाराम, जगन्नाथ सहित 15 नामजद और 30 अज्ञात लोगों के खिलाफमामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है तथा भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिलाधिकारी अनुनय झा ने सोशल मीडिया पर डीएम चौराहे से अशोक स्तंभ हटाए जाने के दावे का खंडन करते हुए कहा कि नगर पालिका द्वारा सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है और अशोक स्तंभ यथावत है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

इजरायल ने 7 अक्टूबर के 'मास्टरमाइंड' को किया ढेर

हाल ही में बना था हमास का आर्मी चीफ..

डेस्क जगप्रेरणा।

इजरायल की सेना ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास के नए सैन्य प्रमुख मुहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इजरायली सेना के मुताबिक, ओदेह 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए बड़े हमले के 'मास्टरमाइंड्स' में शामिल था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज के निर्देश पर यह सैन्य कार्रवाई की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** पर इसकी पुष्टि की। इजरायल के मुताबिक, मुहम्मद ओदेह 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास के इंटेलिजेंस विभाग का प्रमुख था।

'मुहम्मद ओदेह को मार गिराया है'

बता दें कि करीब एक हफ्ते पहले ही मुहम्मद ओदेह को हमास की सैन्य शाखा का नया प्रमुख बनाया गया था। उसने इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद की जगह ली थी, जिसे दो हफ्ते पहले गाजा में इजरायली हमले में मार दिया गया था। इजरायली सेना का कहना है कि ओदेह कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या, अपहरण और हमलों में शामिल था। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी ङ्ग पर पोस्ट करते हुए कहा, 'हमने अब मुहम्मद ओदेह को निशाना बनाया है और उसे मार गिराया है। वह हमास की सैन्य शाखा का प्रमुख और 7 अक्टूबर हमले के प्रमुख योजनाकारों में से एक था। हम उन सभी तक पहुंचेंगे जो इस हमले में शामिल थे।'

इजरायल ने लेबनान में तेज किए हमले..

इधर, इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में भी अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टायर और मरजायून जिलों के कई इलाकों में लगातार एयर स्ट्राइक की गईं। रिपोर्ट के अनुसार, बुर्ज रहाल, कवथारियत अल-रुज़, सरीफ़, अस-सवाना और क़बरिखा जैसे इलाकों को निशाना बनाया गया। बताया गया है कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में हुए इजरायली हमलों में 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य घायल हुए हैं। ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रविवार को सेना को हिज्बुल्लाह के खिलाफकार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिए थे।

'हमने 600 से ज्यादा आतंकी मारे हैं'..

नेतन्याहू ने वीडियो बयान में कहा, 'हम हिज्बुल्लाह के साथ जंग लड़ रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमारे सैनिकों ने 600 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया है। लेकिन अब हम रुकने वाले नहीं हैं। मैंने सेना को और ज्यादा आक्रामक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।' बताया जा रहा है कि अमेरिका की ओर से भी इजरायल को हिज्बुल्लाह के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की मंजूरी के संकेत मिले हैं। हाल के दिनों में ड्रोन हमलों में बढ़ोतरी के बाद इजरायल ने अपने ऑपरेशन और तेज कर दिए हैं।

ओडिशा में आकाशीय बिजली गिरने और तूफान से तीन लोगों की मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओडिशा में पिछले 24 घंटों के दौरान आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान के कारण कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार दोपहर और शाम को मयूरभंज, क्योंझर और अनुगुल जिलों में तेज हवाएं चलने के साथ ही आंधी-तूफान आया और आकाशीय बिजली गिरी, जिससे तीन लोगों की जान चली गई। इन तीनों जिलों में कुल 94 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

इसके अलावा, सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला शहर में 25 मई को आए तूफान के कारण 168 घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि कई पेड़ उखड़ गए, जिसके बाद राहत और बहाली कार्य के लिए 'ओडिशा आपदा त्वरित प्रतिक्रिया बल' (ओडीआरएएफ) का एक दल और दमकल कर्मियों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासनों ने उन परिवारों को तिरपाल बांटी हैं जिनके घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

इस बीच, प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर नाराज निवासियों ने बृहस्पतिवार को राउरकेला में सड़क जाम कर दी। बाद में स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद वो शांत हुए। सुंदरगढ़ जिले के बोनाई शहर में प्रचंड तूफान के कारण कई पेड़ उखड़ गए और कई घरों तथा वाहनों को नुकसान पहुंचा। बोनाई के उप-जिलाधिकारी अशोक दास ने बताया कि ओडीआरएएफ के एक दल ने सड़कों को साफकरने का काम शुरू कर दिया है, जबकि बिजली आपूर्ति बहाल होने में कुछ समय लग सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले छह दिनों तक ओडिशा के कई हिस्सों में आकाशीय बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने का अनुमान जताया है। शुक्रवार के लिए बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, सुंदरगढ़, संबलपुर, देवगढ़, अनुगुल, ढेंकनाल, क्योंझर और मयूरभंज जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (कार्रवाई के लिए तैयार रहें) जारी किया गया है। क्योंझर, अनुगुल, देवगढ़ और संबलपुर में भारी बारिश की भी संभावना है, जिन्हें ऑरेंज अलर्ट के तहत रखा गया है। झारसुगुड़ा, बरगढ़, सोनेपुर, बौद्ध, नुआपाड़ा, बलांगीर, कालाहांडी, कंधमाल, नवरंगपुर, रायगड़ा, कोरापुट, मलयगिरि (मल्कनगिरी), गजपति, गंजाम, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। आईएमडी ने तटीय और दक्षिणी ओडिशा के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरे मौसम की भी चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने लोगों को आंधी-तूफान के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने और खासकर आकाशीय बिजली व शहरी यातायात को लेकर जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

बृहस्पतिवार को राज्य के 12 स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया, जिसमें बलांगीर 43.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा। इसके बाद संबलपुर में 43.1 डिग्री और टिटलागढ़ में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बिहार के समस्तीपुर में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, चार लापता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

बिहार के समस्तीपुर जिले में बृहस्पतिवार सुबह नाव पलटने से उसमें सवार कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह हादसा सुबह करीब 5.45 बजे उस समय हुआ, जब लोग जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड स्थित सुल्तानपुर दियारा से लौट रहे थे। पटना के जिलाधिकारी एस. एम. त्यागराजन ने बताया कि 14 लोगों को लेकर जा रही नाव तेज हवा के कारण पलट गई।

उन्होंने कहा कि समस्तीपुर और पटना जिला प्रशासन की टीमें संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रही हैं। बाढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-1) राम कृष्ण ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की संयुक्त टीमों के प्रयास से अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शेष चार लापता लोगों की तलाश और शवों की बरामदगी के लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

अधिकारी के अनुसार, नाव एक छोटी डोंगी थी, जिसका मोटर कथित तौर पर खराब हो गया था। इसके बाद तेज हवा के बीच नाव असंतुलित होकर पलट गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

लद्दाख के एलजी वीके सक्सेना ने लेह में किया 'रॉक चेक डैम' का उद्घाटन, जहां थी सूखी नदी..

वहां अब 4 लाख लीटर पानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

लद्दाख के एलजी वीके सक्सेना ने बुधवार को लेह में 'रॉक चेक डैम' का उद्घाटन किया। यह सिंधु नदी पर बनाया गया है। इसे 'सिंधु जल समृद्धि अभियान' के तहत बनाया गया है।

इससे लद्दाख में पानी की कमी दूर होगी और किसानों को खेतों को भी पानी मिलेगा।

एलजी वीके सक्सेना ने बताई डैम की खासियत..

उद्घाटन के बाद एलजी सक्सेना ने कहा कि इस रॉक चेक डैम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह पानी के दबाव को झेल सके और गर्मियों के महीनों में जब नदी में जल स्तर बढ़ता है तो यह बह न जाए। मैंने सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को प्रायोगिक आधार पर ऐसे तीन और चेक डैम बनाने का निर्देश दिया है।

मुझे विश्वास है कि यह रॉक चेक डैम इंजीनियरिंग की कुशलता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरेगा। यह किसानों की सिंचाई संबंधी समस्याओं का एक टिकाऊ समाधान प्रदान करेगा, जल सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा और लद्दाख के दूरदराज के गांवों में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देगा।

किसानों को भी मिलेगी फायदा..

एक्स हैंडल पर एलजी ने बताया कि पारंपरिक कंक्रीट चेक डैम के विपरीत यह नया रॉक चेक डैम एक अर्ध-स्थायी अवरोधक है, जिसे नदी तल से इकट्ठा किए गए बड़े-बड़े पत्थरों को आपस में फंसाकर बनाया गया है। यह नदी के बहाव को धीमा कर देता है और पानी जमा होने के लिए एक विशाल क्षेत्र (तालाब) बनाता है, जिसका उपयोग किसान कृषि कार्यों के लिए कर सकते हैं।

पानी की एक पुरानी चुनौती से निपटना..

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की सोच से शुरू हुई यह परियोजना इस क्षेत्र की एक पुरानी चुनौती को हल करना चाहती है। ग्लेशियर से निकलने वाली नदियों के बावजूद, कई गांव बुवाई के अहम मौसम में पानी नहीं पा पाते, क्योंकि पारंपरिक पंपिंग सिस्टम काम नहीं कर पाते।

पायलट प्रोजेक्ट को शुरुआती सफलता मिली..

लेह से लगभग 45 किलोमीटर दूर के-थांग उपशी में पूरा हुआ यह पायलट प्रोजेक्ट पहले ही उम्मीद जगाने वाले नतीजे दिखा चुका है। 12 मई से 18 मई के बीच बनाया गया, 200 फुट लंबा यह पत्थरों का चेक डैम, स्थानीय रूप से उपलब्ध विशाल पत्थरों का इस्तेमाल करके बनाया गया था, जिनका वज़न 500 किलोग्राम से लेकर 10 मीट्रिक टन तक था। इस ढांचे को बनाने के लिए नदी के तल पर रणनीतिक रूप से लगभग 180 मीट्रिक टन पत्थर रखे गए थे, जिसकी अनुमानित लागत सिर्फ 10 लाख रुपये थी।

कम लागत वाला इंजीनियरिंग समाधान..

पारंपरिक सीमेंट-कंक्रीट की रुकावटों के विपरीत, पत्थरों से बना यह छिद्रपूर्ण चेक डैम पानी के बहाव को धीमा कर देता है, जबकि उसे स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने भी देता है। इससे नदी के ऊपरी हिस्से में पानी जमा होने का एक बड़ा क्षेत्र बन जाता है, जिससे नदी की गहराई काफी बढ़ जाती है और सिंचाई के लिए पानी निकालना संभव हो जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि इस पायलट डैम ने नदी के ऊपरी हिस्से में लगभग 500 मीटर तक पानी जमा करने का एक क्षेत्र बना दिया है, जिसमें अनुमानित 40 मिलियन लीटर पानी जमा है। किनारों के पास पानी की गहराई बढ़कर 4-5 फुट हो गई है, जबकि बीच के हिस्से में अब यह लगभग 10 फुट तक पहुंच गई है।

प्रशासन ने इस ढांचे को नदी के बहाव में होने वाले मौसमी उतार-चढ़ाव को झेलने के हिसाब से डिज़ाइन किया है। मई में नदी का बहाव लगभग 25 क्यूसेक होता है, जो जुलाई और अगस्त के भीषण गर्मी वाले महीनों में बढ़कर लगभग 200 क्यूसेक तक पहुंच जाता है।

हिमालयी नदियों के लिए पर्यावरण-अनुकूल मॉडल..

सिंचाई के अलावा, इस पहल को पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ भी माना जा रहा है। चूंकि ये बांध पूरी तरह से नदी के तल में पाए जाने वाले स्थानीय पत्थरों से बनाए जाते हैं, इसलिए ये कंक्रीट या ऐसे पदार्थों का इस्तेमाल किए बिना, जो आसानी से नष्ट नहीं होते **(non-biodegradable)**, हिमालयी नदी प्रणाली की नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखते हैं।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

भुमेश्वर धमगाये गोरेगांव
मो. 9637631171

साइकिल के पहियों से कलात्मक 'कथड़ी' तक का सफर, आमगांव के 'कथड़ी मैन' रमेश खापर्डे की अनूठी प्रेरणागाथा

ग्रेजुएट होकर भी चुनी आत्मनिर्भरता की राह; सादगी और लगन से अपनी कला को मुंबई-पुणे तक पहुँचाने वाले 'आर.के.' का 80वें वर्ष में गौरवशाली कदम..

जगप्रेरणा आमगांव।

'काम कोई भी हो - यदि उसमें अटूट श्रद्धा, गहरी दिलचस्पी और ईमानदारी हो, तो वह काम आपको समाज में एक अद्वितीय पहचान दिला सकता है।' इस जीवंत दर्शन को अपने कर्म से चरितार्थ करने वाले आमगांव के डागबंगला

टोली निवासी व 79 वर्षीय बुजुर्ग रमेश बंसीलाल खापर्डे (जिन्हें पूरा क्षेत्र आदर से 'आर.के.' नाम से पुकारता है) आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उम्र के 79 पड़ाव पार कर हाल ही में 80वें वर्ष में कदम रखने वाले आर.के. जी की जीवन यात्रा देश के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और अनथक श्रम का एक जीवंत विश्वविद्यालय है।

देश की आज़ादी से ठीक पहले, 14 मार्च 1947 को गोंदिया में जन्मे रमेश खापर्डे के पिता बंसीलाल खापर्डे गोंदिया तहसील कार्यालय में हेड क्लर्क थे। रमेश खापर्डे ने गोंदिया के म्युनिसिपल हाईस्कूल से प्रारंभिक शिक्षा और प्रतिष्ठित एन.एम.डी. कॉलेज से स्नातक (ग्रेजुएशन) की उपाधि प्राप्त की। उस दौर में ग्रेजुएट होने के बाद उन्होंने नौकरी के लिए बहुत प्रयास किए, परंतु भाग्य को कुछ और ही मंजूर था।

नौकरी न मिलने पर हताश होने के बजाय, उन्होंने परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने से इनकार कर दिया। वर्ष 1973 में तुमसर निवासी भारती साखरे से उनका विवाह हुआ। चार बच्चों के बड़े परिवार के भरण-पोषण और उदरनिर्वाह की जिम्मेदारी कंधों पर आई, तो उन्होंने मेहनत की राह चुनी और आमगांव के प्रसिद्ध आंबेडकर चौक पर 'आर.के. साइकिल स्टोर्स एंड रिपेयरिंग' की नींव रखी। उनकी दुकान केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि उनकी इंसानियत का केंद्र थी। यदि किसी ग्रामीण विद्यार्थी की साइकिल पंचर हो जाती और उसकी जेब में पैसे न होते, तो आर.के. जी बिना संकोच साइकिल सुधार देते थे। वे कहते थे,÷पैसे कल दिए तो भी ठीक, नहीं दिए तो भी ठीक!÷ उनकी इसी संवेदनशीलता ने उन्हें पूरे क्षेत्र का चहेता बना दिया।

2005 में आया एक विचार; दुकान बेटें को सौंप घर पर शुरू किया कथड़ी का हुनरः साइकिल सुधारने का यह काम कई दशकों तक पूरी गरिमा के साथ चला। बाद में जब उनके बड़े सुपुत्र विवेक ने आंबेडकर चौक स्थित दुकान की कमान संभाली, तब वर्ष 2005 में 58 वर्ष की उम्र में आर.के.खापर्डे के भीतर का कलाकार जाग उठा। वे खाली बैठने के बजाय कुछ रचनात्मक करना चाहते थे। इसी दौरान उनके मन में पुरानी साड़ियों, बेडशीट और कपड़ों से कलात्मक व मजबूत 'कथड़ी' (गोधड़ी) बनाने का एक अनूठा विचार आया। उन्होंने अपने डागबंगला टोली स्थित निवास स्थान पर ही 'गोधड़ी सिलाई' का कार्य शुरू किया। अपनी साधारण सिलाई मशीन, सूक्ष्म कलात्मक दृष्टि, बारीक हुनर और पैनी नजर के दम पर उन्होंने घर पर बैठकर ही इस पारंपरिक काम को एक बेहतरीन और सम्मानीय व्यवसाय में बदल दिया। इस कार्य में ग्राहक अपने घरों के पुराने कपड़े उनके घर लेकर आते और आर.के.अपनी जादुई सिलाई का बहुत ही वाजिब मेहनताना लेते थे।

महानगरों के बिस्तरों की शोभा बनीं आर.के. की गोधड़ियाँ : आर.के. द्वारा घर पर सिली गई गोधड़ियाँ इतनी मजबूत और कलात्मक होती थीं कि बिस्तर पर बिछने के बाद किसी सुंदर कारपेट की तरह आकर्षक दिखाई देती थीं। यही कारण था कि उनकी कला की गूंज सिर्फ आमगांव तक सीमित नहीं रही। उनकी बनाई कथड़ियाँ नागपुर, राजनांदगांव, भिलाई, रायपुर, पुणे और मुंबई जैसे महानगरों के आधुनिक घरों और बिस्तरों की शोभा बन गई।वर्ष 2005 में जब यह सफर शुरू हुआ, तब सिंगल बेड की गोधड़ी की सिलाई महज 50 रुपये और डबल बेड की 100 रुपये थी। बदलते वक्त और महंगाई के साथ वर्ष 2025 तक यह सिलाई क्रमशः 250 रुपये और 500 रुपये तक पहुँची। आर.के. जी ने अपने जीवनकाल में 1000 से अधिक कलात्मक और कलाप्रवीण गोधड़ियों का निर्माण कर एक कीर्तिमान स्थापित किया।

'कथड़ी ओढ़ के घी खाना' की कहावत को किया चरितार्थ : उनके डागबंगला टोली स्थित घर पर अक्सर उनके वो पुराने मित्र आते हैं जो उनके साथ स्कूल-कॉलेज में पढ़े थे। यहाँ बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ पुरानी यादें ताजा होती हैं। हिंदी की एक प्रसिद्ध कहावत है-÷कथड़ी ओढ़ के घी खाना÷ अर्थात अत्यंत सादगी में रहते हुए भी राजसी आनंद और संतुष्टि का जीवन जीना। आर.के. ने अपने जीवन और इस व्यवसाय से इस कहावत को पूरी तरह सच साबित कर दिखाया। उनका एकमात्र मूलमंत्र रहा-'ग्राहक की पूर्ण संतुष्टि'।

उम्र के तकाजे को देखते हुए, पिछले दो महीने पहले मार्च माह में जैसे ही उन्होंने 80वें वर्ष में प्रवेश किया, उन्होंने इस सिलाई व्यवसाय को अब विराम दे दिया है। व्यवसाय भले ही बंद हो गया हो, लेकिन आज भी आर.के. जी पूरी तरह स्वस्थ, ऊर्जावान और मस्त हैं। रमेश बंसीलाल खापर्डे का जीवन यह संदेश देता है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता; यदि सच्ची लगन हो तो उम्र का कोई भी पड़ाव आपको कला का 'महारथी' बना सकता है। उनका यह स्वावलंबी जीवन और समाज के प्रति योगदान अत्यंत अप्रतिम, सराहनीय और आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुकरणीय है।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

हॉयड्रा वाहन चालक ने सयकलसवार को ठोस मारकर किया जख्मी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/ 5/ 2026 के शाम 6बजे के दरम्यान ग्राम गिधाडी मे घटना के समय आरोपी ने बिना नंबर प्लेट का हायवा लापरवाहीसे चलाकर महेन्द्र गोपीचंद रहांगडाले की पिताजी के सायकल को ठोस मारकर जख्मी किया और घटना स्थल से फरार होने से फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे गोरेगाव मे अपराध क्रमांक 376/2026 धारा 281,125, अ,125, ब, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा दिनेश कुरसुंगे 1147 पोस्टे गोरेगाव कर रहे है।

अज्ञात वाहनचालक ने अज्ञात आदमी को उतारा मौत के घाट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत ऑक्सीडेंट मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/ 5/ 2026 के रात मुरदोली जंगल परिसर मे अज्ञात युवक उम्र अंदाजन 45 वर्ष को गोरेगांव से कोहमारा जानेवाले अज्ञात वाहन चालक ने ठोस मारकर मौत के घाट उतारा है, फर्यादी दिलीप दयाराम मेश्राम उम्र 59 वर्ष निवासी मुरदोली की शिकायत पर अज्ञात वाहनचालक के खिलाफ पोस्टे गोरेगाव मे अपराध क्रमांक 377/2026 धारा 281, भान्यास 2023 सहकलम 184,134, अ, मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जॉंच पोऊपनी सुजित घोलप पोस्टे गोरेगाव कर रहे है।

तु मेरे आंगन से क्यो जाता है बोलकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/5/2026 के 8 बजे के दरम्यान फर्यादी श्रीराम चिंदु ढेकवार उम्र 70 वर्ष निवासी बिजली अपने घर मे नल से पानी भर रहा था। उसी समय आरोपी शराब पिकर आया और गलिगलौच करते हुवे बोला तु मेरे आंगन से आना जाना क्यो करता है, बोलकर लकडी से हाथ पैर पर मारकर जख्मी किया और कहा ज्यादा करोगे तो तुझे और तेरी पत्नी को मारने की धमकी देने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 276/2026 धारा 118, 1, 352, 351, 2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोना दिलीप निमजे 1856 पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

झालीया के स्कूल मे हुई चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 25/5/2026 के रात ग्राम झालीया मे अज्ञात चोर ने स्कूल का गेट तोड़कर लोहे का बॉक्स, सिसीटीव्ही का 1 नग डिव्हीआर,1 सिपीयु किमत 10 हजार रुपये, लोहे की अलमारी मे रखे नगदी 8 हजार रूपये कुल 28 हजार रूपये का माल चुराकर ले जाने से फर्यादी की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 277/2026 धारा 305, अ, 331,4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सफौ डोंगरे पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

डबलमनी कर देता हु बोलकर की 7 लाख रुपये की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 2/6/2022 से दिनांक 28/12/2022 के दरम्यान मरारटोली गोंदिया मे फर्यादी विनीत पुंडलीकर उम्र 46 वर्ष निवासी मरारटोली से आरोपी ने 4 महीने मे डबल पैसे कर देता हु बोलकर 7 लाख रुपये लिये और आज तक 14 लाख रुपये नही लौटाये पैसे के लिये टालमटोल करने से फर्यादी कि शिकायत पर तिनो आरोपियो के खिलाफ पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 332/2026 धारा 420,406,34, भादवी 1860 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सपोनि नागरगोजे पोस्टे रामनगर कर रहे है।

हीटस्ट्रोक से सावधानः लोग हीटस्ट्रोक से बचने के लिए खास ध्यान रखें..

डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. अभिजीत गोल्हार ने अपील की..

गणेश भदाडे जगप्रेरणा आमगांव।

जिले में बढ़ते तापमान के साथ 'नवतपा' का समय शुरू हो गया है और लोग अपनी सेहत का खास ध्यान रखें, डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. अभिजीत गोलहर ने अपील की है।

पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट गोंदिया हीटस्ट्रोक से बचाव के लिए लोगों में जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले के सभी हेल्थ इंस्टीट्यूशन में हीटस्ट्रोक रूम चालू कर दिए गए हैं।

डॉ. अभिजीत गोलहर ने कहा, 'नवतपा' लगातार नौ दिनों तक बहुत ज़्यादा गर्मी का समय माना जाता है। इस दौरान सूरज की तेज़ी बढ़ने से माहौल का तापमान बहुत ज़्यादा हो जाता है। इससे हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, कमज़ोरी, चक्कर आना, सिरदर्द, जी मिचलाना जैसी शिकायतें बढ़ने की संभावना है। खासकर छोटे बच्चों, बुज़ुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों वाले लोगों को ज़्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है।

हेल्थ डिपार्टमेंट ने लोगों को गर्मी के मौसम में खूब पानी पीने की सलाह दी है। प्यास लगने का इंतज़ार किए बिना रेगुलर पानी पिएं। नींबू पानी, छाछ, **ORS,** नारियल पानी जैसे लिक्विड लें। हल्के रंग के, ढीले और कॉटन के कपड़े पहनें। बाहर जाते समय टोपी, गमछा या छाता पहनें।अगर हो सके तो दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर जाने से बचें। अगर ज़रूरी काम हो, तो रुककर छांव में सफ़र करें। छोटे बच्चों या बुज़ुर्गों को धूप में खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें। ज़्यादा मेहनत या मेहनत से भी बचें, यह भी अपील की गई है।

डॉ. गोलहर ने आगे कहा कि हीटस्ट्रोक के लक्षण दिखने पर व्यक्ति को तुरंत ठंडी और छांव वाली जगह पर ले जाएं, पानी पिलाएं और शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें। अगर व्यक्ति बेहोश हो जाए या उसे गंभीर महसूस हो, तो तुरंत 108 एम्बुलेंस सर्विस से संपर्क करें या इलाज के लिए पास के हेल्थ सेंटर में भर्ती कराएं।

जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण अस्पताल और जिला जनरल अस्पताल में हीटस्ट्रोक रूम शुरू कर दिए गए हैं और ज़रूरी दवाएं, **ORS,** पीने का पानी और इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट के स्टाफके ज़रिए हर गांव में जागरूकता फैलाई जा रही है।

'नवतपा के दौरान हर नागरिक के लिए अपना और अपने परिवार का ख्याल रखना ज़रूरी है। सावधानी बरतने से उन्हें हीटस्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं से बचाया जा सकता है,'

डॉ. किरणताई मोरे चव्हाण के 'ही वाट दूर जाते' कहानी संग्रह का भव्य लोकार्पण..

जगप्रेरणा सालेकसा।

अव्यक्त अबोली साहित्य मंच, पुलगांव जिला वर्धा द्वारा आयोजित दसवें साहित्य सम्मेलन में सालेकसा जिला गोंदिया की कवयित्री डॉ. किरणताई मोरे चव्हाण के कहानी संग्रह 'ही वाट दूर जाते' का 24 मई 2026 को बड़े उत्साह एवं सम्मानपूर्वक लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर सम्मेलनाध्यक्ष स्नेहल सोनटक्के, मनोहर शहारे, रवी बोदेले, प्रतीक टेंभुरने, योगेश ताटे, कवि सम्मेलन अध्यक्ष शंकर घोरसे, प्रमुख अतिथि लीलाधर दवंडे तथा संस्था की संस्थापिका-अध्यक्षा जयश्री चव्हाण मंच पर उपस्थित थे। सभी मान्यवरों के हस्तों पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया। 'ही वाट दूर जाते' पुस्तक की प्रस्तावना पुणे के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं वक्ता प्रा. धनंजय भिसे द्वारा लिखी गई है। उन्होंने इस कहानी संग्रह की समीक्षात्मक टिप्पणी भी की है।

इस पुस्तक के प्रकाशक डी. बी. ए. साहित्य मंच के रत्नागिरी एवं चंद्रपुर जिलाध्यक्ष भावना खोब्रागडे तथा संस्थापक-अध्यक्ष प्रा. मनोज जाधव हैं।

डॉ. किरणताई मोरे चव्हाण का यह पहला कहानी संग्रह है। इससे पहले उनके चार काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उनके साहित्य को पाठकों का भरपूर प्रतिसाद मिल रहा है तथा साहित्यकारों, मित्रों एवं परिजनों की ओर से उन्हें शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं।

45 डिग्री तापमान में विशवविद्यालय की परीक्षाएं, विद्यार्थियों को हो रही भारी परेशानी

परीक्षाएं स्थगित करने की मांग तेज..

जगप्रेरणा सालेकसा।

एक ओर नवतपा के चलते सूर्य आग उगल रहा है और तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय की परीक्षाएं इतनी भीषण गर्मी और उमस में आयोजित की जा रही हैं।

ऐसे में परीक्षा केंद्र तक पहुंचते समय विद्यार्थियों की हालत खराब हो रही है। दोपहर की तेज धूप में कई विद्यार्थियों को साइकिल अथवा अन्य साधनों से लंबी दूरी तय कर परीक्षा केंद्र पहुंचना पड़ रहा है। इस भीषण गर्मी में परीक्षा देना विद्यार्थियों के लिए बेहद कठिन साबित हो रहा है। इसलिए विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों ने विश्वविद्यालय की परीक्षाएं आगे बढ़ाने की मांग की है।

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत बी.एस. सी.,बी. ए., बी. कॉम बी.एड. ग्रीष्मकालीन 2026 के की परीक्षाएं 26 मई से शुरू हुई हैं, जो 23 जून तक चलेंगी। परीक्षा का समय दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों को दोपहर 2 बजे तक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना पड़ता है। इसके लिए उन्हें 45 डिग्री से अधिक तापमान में सफर करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

कई परीक्षा केंद्रों पर वातानुकूलित व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र हल करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अत्यधिक गर्मी के कारण विद्यार्थियों की तबीयत बिगड़ने की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा देना कठिन हो गया है। इसे देखते हुए विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से परीक्षाएं स्थगित करने की मांग की है।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन पर जलवायु परिवर्तन विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन..

द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, दपूमरे नागपुर मंडल द्वारा यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को किया गया जागरूक..

जगप्रेरणा गोंदिया।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 26 मई 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-5 पर द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे, नागपुर डिविजन, मोतीबाग ग्रुप द्वारा '(जलवायु परिवर्तन)' विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मोतीबाग ग्रुप के स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपने उत्कृष्ट अभिनय द्वारा स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं आमजनों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों, पर्यावरण संरक्षण के महत्व तथा प्रकृति संतुलन बनाए रखने के उपायों के प्रति जागरूक किया। कलाकारों ने सरल एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से लोगों तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाया, जिसे उपस्थित जनसमूह द्वारा काफी सराहा गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता एवं मंडल आयुक्त गाइड श्रीमती श्वेता एच. के. छोरिया के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नुक्कड़ नाटक में कुल 10 स्काउट्स एवं 12 गाइड्स ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर **DOC** गाइड आरती मुदलियार, **DOC** (स्काउट) श्रीनिवास डोरा, मंडल ट्रेजरर शशिकांत राऊत, मोतीबाग ग्रुप के ग्रुप लीडर (स्काउट) मनीष बनकर, गाइड लीडर श्रद्धा वाघमारे, स्काउटर आबिद अख्तर, कमल, गाइडर कुंदा बहादुरे, कुमुद एवं शिवानी सहित अन्य स्काउटर एवं गाइडर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इतवारी स्टेशन के स्टेशन सुपरिटेंडेंट, रेलवे सुरक्षा बल के स्टेशन इंचार्ज एवं स्टेशन के अन्य कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने भविष्य में भी समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

अंत में उपस्थित अधिकारियों ने मोतीबाग स्काउट गाइड ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष

अमर वराड़े के पदग्रहण समारोह में नजर आई गुटबाजी, दिग्गजों की अनुपस्थिति रही चर्चा में..

पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप बंसोड़ संहित अनेक दिग्गज कांग्रेसी रहे नदारद..

बावजूद खचाखच भरा रहा कांग्रेस कार्यालय..

जगप्रेरणा गोंदिया।

एक ओर जहां देश के अधिकांश जिलों में कांग्रेस बूरे दौर से गुजर रही है, और विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों में कांग्रेस जनाधार में पिछड़ती चली जा रही है, जिसका कारण माना जा सकता है कि कांग्रेस संगठनों में गुटबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है, तथा वरिष्ठ नेता भी राज्य, जिला

व तहसील संगठनों में समन्वय नहीं बना पा रहे हैं। ऐसा ही 27 मई को गोंदिया में तब दिखाई दिया, जब जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष अमर वराड़े का संगठन जिलाध्यक्ष के रुप में पदग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। हांलांकि अमर वराड़े के पदग्रहण समारोह में कांग्रेस कार्यालय खचाखच भरा नजर आया, तथा संपूर्ण जिले भर से अनेक समर्पित कांग्रेसी अमर वराड़े के पदग्रहण समारोह में पहुंचे, और उनका हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करते हुए कांग्रेस संगठन के लिये निरंतर कार्य करने की ईच्छाशक्ति भी प्रदर्शित की, और संपूर्ण कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ, लेकिन बड़े दिग्गज नेताओं की अनुपस्थिति जरुर कांग्रेस संगठन में चर्चा का विषय बनी रही, तथा इस अनुपस्थिति के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि इन दिग्गजों को अमर वराड़े को जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाये जाने से आपत्ति है।

यह नही रहे उपस्थित..

गौरतलब है कि अमर वराड़े के पदग्रहण समारोह में पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिलीप बंसोड़, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, प्रफुल अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, अशोक (गप्पू) गुप्ता, राजकुमार (पप्पु) पटले, जितेश राणे संहित जिला कांग्रेस संगठन के ऐसे प्रमुख चेहरे जो कि कांग्रेस संगठन की पहचान है, नजर नहीं आए।

पुरुषोत्तम (बाबा) कटरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ पदग्रहण..

गौरतलब है कि नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराड़े का पदग्रहण समारोह गोंदिया जिला कांग्रेस कार्यालय शहीद भोला भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम (बाबा) कटरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की चुनौतियों और परिस्थितियों का पूरा अनुभव रखने वाले अमर वराड़े इस जिम्मेदारी को बहुत अच्छी तरह निभा सकेंगे। इस अवसर पर पी.जी. कटरे, विनोद जैन, जितेंद्र कटरे, राधेलाल पटले, जिला अध्यक्ष अमान मेमन, कृमराज चव्हाण, जिला परिषद सदस्य उषाताई मेंढे, छबुताई उके सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

बोले अमर वराड़े..

नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराड़े ने पदग्रहण करते हुए जिला कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस पार्टी को जिले में नंबर एक पार्टी बनाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मिनी मंत्रालय कहलाने वाली जिला परिषद के अगले वर्ष होने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी की एकछत्र सत्ता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर अमर वराडे ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व और जिले के सामान्य एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं का आभार भी व्यक्त किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर वराड़े के पदग्रहण समारोह में प्रमुख रुप से जिला परिषद सदस्य छायाताई नागपुरे, विमलताई कटरे, सभापती विनाताई कटरे, संजय बाहेकर, राजेभाऊ दोनोडे, नगराध्यक्ष विजय फुंडे, न प सदस्या रेखाताई फुंडे, संपतलाल सोनी, यादवलाल लाल बनोठे, विजय बाहेकर, सुरेश चौरागडे, इसुलाल भालेकर, राजेश चांदेवार, देमेंद्र रहांगडाले, विवेक मेंढे, झहीर भाई अहमद, बलजीत सिंग, अनिताताई मुनेश्वर, रूपाली उके मनीष मेश्राम, सूर्यप्रकाश भगत, आलोक मोहोंती, जीवन शरणागत, महेश उके, निकेश मिश्रा, भास्कर रहांगडाले एवं जिले के असंख्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेवफा पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को दी मौत, उजागर हो ही गई हत्या..

पत्नी एवं प्रेमी दोनों गिरफ्तार, पुलिस ने न्यायालय से ली आरोपियो की 1 जून तक रिमांड..

गोंदिया जिले के रामनगर थाना क्षेत्र कुड़वा की घटना..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत कुड़वा हनुमान मंदिर के समीप निवासी राजेंद्र उर्फ राजेश भरतलाल कटरे उम्र 44 वर्ष की बेवफा पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर हत्या कर दी, और पति के निधन पर रोना धोना और भारी दुख प्रदर्शित करते हुए बेवफा पत्नी ने नाटकिय रुप से पति के निधन को सामान्य

मौत प्रदर्शित करने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले की पत्नी अपने मकसद में कामयाब हो जाती, पति की हत्या का खुलासा हो ही गया, और अब गोंदिया की रामनगर पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है, तथा माननीय न्यायालय से पीसीआर लेकर आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी से पूछताछ कर रही है।

क्या है मामला..

हत्या की इस वारदात के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार कुड़वा हनुमान मंदिर के समीप निवासी राजेंद्र उर्फ राजेश भरतलाल कटरे का दुखद निधन होने की सूचना उसकी बहन और रिश्तेदारों की दो गई, जिसके बाद बहन नर्मदा पंधरे अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिये भाई के निवास पर पहुंची। बहन एवं अन्य रिश्तेदारों ने जब मृतक के शव को देखा तो कुछ नाखूनों के निशान और गला दबाकर मारे जाने की संभावनाएं मृतक के शरीर पर नजर आने लगी, जिसके बाद कुछ लोगों ने रामनगर पुलिस को सूचना दी, जिस पर तत्काल पुलिस बल मृतक के निवास पर पहुंचा, और शव परीक्षण के लिये अपने कब्जे में लिया, तथा पत्नी एवं अन्य सभी रिश्तेदारों से पूछताछ की, तो फिर हत्या का संदेह मजबूत होता चला गया।

पति और पत्नी के बीच होता था अवैध संबंधों के चलते विवाद..

हत्या की वारदात के इस मामले में पुलिस ने जगप्रेरणा को बताया कि मृतक राजेंद्र की दो पत्नीयां थी, जिसमें पहली पत्नी लकवाग्रस्त है, वहीं दूसरी पत्नी के साथ वह दूसरे घर पर रहता था। पति राजेन्द्र को पत्नी के प्रेमी संजय लिल्हारे के साथ अवैध संबंधों की जानकारी हो गई थी, जिसके चलते उसका पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। इस स्थिति में पति को रास्ते से हटाने की योजना पत्नी अनिता कटरे और उसके प्रेमी ने मिलकर बना डाली। पुलिस ने बताया कि हत्या की योजना बनाकर पत्नी और प्रेमी ने 26 मई 2026 की रात में लगभग 3 बजे उसके रात्रि में सोए होने के दौरान तकिये से मूंह और फिर गला दबाकर तथा पत्नी द्वारा पति के पैरों को दबाकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया, जिसे पीसीआर मिलने के बाद आरोपी पत्नी और प्रेमी ने कुबुल भी कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की दो पत्नीयां थी, जिसके पहली पत्नी के लकवाग्रस्त होने के कारण मृतक ने दूसरी पत्नी अनिता से शादी की थी। दूसरी पत्नी अनिता कटरे से मृतक का एक छह वर्ष का बच्चा था, तथा पूर्व पत्नी से एक 22 वर्ष की बेटी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पत्नी अनिता राजेंद्र कटरे उम्र 35 वर्ष, तथा प्रेमी संजय श्यामलाल लिल्हारे उम्र 42 वर्ष, निवासी गोंडीटोला, जिला गोंदिया को पुलिस रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ और की जा रही है।

मौत को सामान्य प्रदर्शित करने की योजना के साथ की गई हत्या..

रामनगर पुलिस थाने के पीआई श्री बोरकर ने जगप्रेरणा को सवालों के जवाब में बताया कि आरोपी पत्नी और प्रेमी ने योजनाबद्ध तरीके से हत्या को सामान्य मौत प्रदर्शित करने की कोशिश के तहत अंजाम दिया था, तथा उन्हें भरोसा था कि वे हत्या को सामान्य मौत प्रदर्शित करने में सफल हो जाएंगे, परंतु आरोपी यह नहीं जानते थे कि तकिये से मूंह दबाकर या गला दबाकर मारने से भी मृतक के शव पर उसके निशानों को हटाया नहीं जा सकता था, जिसके चलते यह स्पष्ट हो गया कि मौत सामान्य नहीं बल्कि यह सोची समझी हत्या है। श्री बोरकर ने कहा कि आजकल अवैध संबंधों के चलते इस तरह के अनेक मामले सामने आते हैं, और कथित अपराधियों की सारी चालाकियां धरी की धरी रह जाती है। आम जीवन में ऐसे अवैध संबंधों और हत्या जैसे अपराधों से लोगों को बचने का प्रयास करना चाहिये।

माँ नर्मदा सेवा संस्था ने हरित संकल्प के साथ वर्ष 2025 में 2025 वृक्ष लगाकर रचा इतिहास..

90 प्रतिशत जीवित दर के साथ गोंदिया में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

जगप्रेरणा गोंदिया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत माँ नर्मदा सेवा संस्था, गोंदिया ने वर्ष 2025 में 2025 वृक्षों का सफल रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी और ऐतिहासिक पहल की है। संस्था द्वारा लगाए गए वृक्षों की 90 प्रतिशत से अधिक जीवित दर जिले में एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड मानी जा रही है।

संस्था द्वारा कुड़वा परिसर, खापरडे कॉलोनी, टीबी टोली, सूर्याटोला तालाब परिसर, रामनगर, रिंग रोड, अंगूर बगीचा, सेल टैक्स कॉलोनी सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान के अंतर्गत नीम, पीपल, बरगद, जामुन, अर्जुन, कदंब, अमलतास और गुलमोहर सहित लगभग 12 प्रकार के देशी एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। संस्था द्वारा नियमित देखभाल, सिंचाई और ट्री गार्ड की व्यवस्था किए जाने से अधिकांश पौधे सुरक्षित एवं जीवित हैं।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष माधव गारसे ने कहा कि ÷2025 में 2025 पेड़ लगाना हमारा संकल्प था और यह केवल शुरुआत है। हमारा उद्देश्य गोंदिया को 'ऑक्सीजन हब' के रूप में विकसित करना है। आने वाले दस वर्षों में ये वृक्ष लगभग 40 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने में सहायक होंगे। वहीं सूर्याटोला क्षेत्र के नागरिकों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तालाब किनारे हरियाली बढ़ने से शहर को नई पहचान मिली है तथा गर्मी के मौसम में राहगीरों को छाया का लाभ मिल रहा है। संस्था के अध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि वर्ष 2026 में 3000 वृक्षों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर हरित अभियान चलाया जाएगा। माँ नर्मदा सेवा संस्था का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य की दिशा में समाज के लिए एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया है।

गोंदिया के ओझाटोला में ईंट भट्टा ढहने से मजदूर की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत..

गोरेगांव तहसील के कवलेवाड़ा निवासी 28 वर्षीय नितेश वघारे ने गंवाई जान. .

ट्रैक्टर में ईंटें लोड करते समय अचानक भरभराकर गिरा भट्ठा..

भट्ठा मालिक पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने की 10 लाख रुपये मुआवजे की मांग

जगप्रेरणा गोंदिया।

गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ओझाटोला परिसर में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक ईंट भट्ठे की दीवार अचानक ढह जाने से मलबे के नीचे दबकर 28 वर्षीय एक युवा मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से परिसर में हड़कंप मच गया है। मृतक युवक की पहचान गोरेगांव तहसील के ग्राम कवलेवाड़ा निवासी नितेश सूरजलाल वघारे (28) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही गंगाझरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओझाटोला स्थित ईंट भट्ठे पर रोजाना की तरह काम चल रहा था। मृतक नितेश वघारे अन्य मजदूरों के साथ भट्ठे से ईंटें निकालकर ट्रैक्टर में लोड कर रहा था। इसी दौरान अचानक ईंटों का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर मजूदरों के ऊपर गिर गया। अन्य मजदूर तो किसी तरह पीछे हटने में कामयाब रहे, लेकिन नितेश ईंटों के भारी मलबे के नीचे पूरी तरह दब गया। वहां मौजूद अन्य सहयोगियों ने तुरंत मलबा हटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक गंभीर चोटें आने के कारण नितेश की मौके पर ही सांसें थम चुकी थीं।

परिजनों का फूटा गुस्सा, भट्ठा मालिक पर कार्रवाई की मांग..

घटना के बाद मृतक के परिजनों और कवलेवाड़ा व ओझाटोला के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने सीधा आरोप लगाया है कि ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों के लिए सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे। भट्ठा मालिक की इसी घोर लापरवाही के कारण एक गरीब और होनहार युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। गुस्साए ग्रामीणों ने भट्ठा मालिक के खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को तुरंत 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता (मुआवजा) देने की मांग प्रशासन से की है।

पुलिस जांच में जुटी..

हादसे की सूचना मिलते ही गंगाझरी पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर दौड़ लगाई। पुलिस ने शव को मलबे से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर घटनास्थल का पंचनामा किया है। गंगाझरी पुलिस के अनुसार, हादसे के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है और सुरक्षा मानकों में अनदेखी पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल..

इस हृदयविदारक हादसे ने जिले में संचालित हो रहे ईंट भट्ठों पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र के अधिकांश भट्ठों पर मजदूरों से बेहद जोखिम भरे माहौल में काम कराया जाता है, जबकि उनके पास आपातकालीन स्थिति से निपटने या सुरक्षा के कोई साधन नहीं होते। प्रशासन को इन अवैध और असुरक्षित भट्ठों पर नकेल कसनी चाहिए ताकि भविष्य में किसी और नितेश को अपनी जान न गंवानी पड़े।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com